वर्ष 23, अंक 248, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज बुधवार 2 अक्टूबर 2024 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

जमैका के किसी प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा

भारतविश्वसनीय और प्रतिबद्ध भागीदार - पीएम

नई दिल्ली

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और जमैका के संबंध हमारे साझा इतिहास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के बीच मजबूत संबंधों पर आधारित हैं। चार सी हमारे संबंधों की विशेषता हैं, संस्कृति, क्रिकेट, राष्ट्रमंडल और कैरीकॉम(कैरेबियन समुदाय)। भारत और जमैका के बीच व्यापार और निवेश बढ़ रहा है। भारत हमेशा जमैका की विकास यात्रा में एक विश्वसनीय और प्रतिबद्ध विकास भागीदार रहा है।

जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में भारत और जमैका के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं जमैका के प्रधानमंत्री होलनेस और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करता हूं... प्रधानमंत्री होलनेस भारत के लंबे समय से मित्र रहे हैं। मुझे उनसे कई बार मिलने का अवसर मिला है और हर बार मैंने भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता को महसूस किया है। मुझे विश्वास है कि उनकी यात्रा हमारे द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ पूरे कैरेबियाई क्षेत्र के साथ हमारे जुड़ाव को नई ऊर्जा देगी। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और जमैका के संबंध हमारे साझा इतिहास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के बीच मजबूत संबंधों पर आधारित हैं। चार सी हमारे संबंधों की विशेषता हैं, संस्कृति, क्रिकेट, राष्ट्रमंडल और कैरीकॉम(कैरेबियन समुदाय)। भारत और जमैका के बीच व्यापार और निवेश बढ़ रहा है। भारत हमेशा जमैका की विकास यात्रा में एक विश्वसनीय और प्रतिबद्ध विकास भागीदार रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और जमैका एकमत हैं कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित सभी वैश्विक संस्थानों में सुधार आवश्यक है। इन्हें समकालीन रूप देने के लिए हम साथ मिलकर काम करते रहेंगे। भारत और जमैका के संबंध हमारे साझा इतिहास, हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों से लोगों के बीच मजबूत संबंधों का प्रमाण हैं। हमारा संबंध 4सी संस्कृति, क्रिकेट, राष्ट्रमंडल, कैरिकॉम द्वारा चिह्नित है।

भारत जमैका सेना के साथ प्रशिक्षण लेगा

पीएम ने कहा कि रक्षा के क्षेत्र में भारत जमैका सेना के साथ प्रशिक्षण लेगा। संगठित अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद कुछ चुनौतियाँ हैं जो हमारे सामने हैं और हम इनके खिलाफ मिलकर काम करने को तैयार हैं। मैं जमैका में भारतीय प्रवासियों का ख्याल रखने के लिए पीएम होल्नेस को धन्यवाद देता हूं। जमैका ने जिस तरह से बॉलीवुड और लोक संगीत के माध्यम से भारतीय संस्कृति को स्वीकार किया है और उसकी सराहना की है, मैं उसकी सराहना करता हूं। आज का सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम हमारे व्यक्तिगत संबंधों को भी बढ़ाएगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'वायु वीर विजेता रैली' को दिखाई हरी झंडी, 7000 किमी का सफर तय करेंगे वायु योद्धा

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना 8 अक्टूबर को अपनी 92वीं वर्षगांठ मनाने जा रही है। इस विशेष अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को 'वायु वीर विजेता रैली' को दिल्ली से रवाना किया। रैली लद्दाख के थोइस से अरुणाचल प्रदेश के तवांग तक 7000 किलोमीटर लंबी तय करेगी।

इस अवसर पर वायुसेना के एयर चीफ मार्शल अमनप्रीत सिंह समेत तमाम अधिकारी भी मौजूद रहे।

साथ ही दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज प्रवीण खंडेलवाल कमलजीत सेहरावत भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वायु सेना के जवानों को भी संबोधित किया। राजनाथ सिंह ने कहा, "हमारे वायु वीर, आप सभी को मेरा नमस्कार। भारतीय वायुसेना विविधता, पराक्रम और बेहतरीन ऊंचाइयों के लिए जानी जाती है। हमें सर्वोच्च ऊंचाइयों को पार कर सदैव विजय रहना है।

दिल्ली सरकार के विकास कार्यों को ठप करने की साजिश चल रही है: गोपाल राय

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने हाल ही में घोषणा की थी कि दिवाली तक प्रदेश की सभी सड़कों को ठीक करके गड्ढा मुक्त कर दिया जाएगा। इसके बाद, राज्य सरकार के मंत्री आम लोगों के बीच जाकर टूटी हुई सड़कों का जायजा ले रहे हैं। मंगलवार को कैबिनेट मंत्री गोपाल राय और गोकुलपुर विधानसभा के विधायक सुरेंद्र चौधरी ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ मिलकर लोनी बॉर्डर और नंद नगरी बस डिपो के पास वजीराबाद रोड पर टूटी हुई ।

झांसी में टला बड़ा रेल हादसा, टूटी पटरियों पर दौड़ी केरला एक्सप्रेस

झांसी

बड़ा हादसा टल गया और घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। हालांकि, जब ट्रेन झांसी पहुंची तो यात्री ट्रेन से उतर गए और हंगामा करने लगे। हाल के सप्ताहों में ट्रेनों को पटरी से उतारने और दुर्घटनाओं को अंजाम देने की कोशिशें तेजी से बढ़ी हैं।

एक चौंकाने और हैरान करने वाली घटना सामने आ रही है। दरअसल, केरल एक्सप्रेस मंगलवार को उत्तर प्रदेश के ललितपुर में टूटे हुए ट्रैक पर दौड़ गई। हालांकि, सौभाग्य से ट्रेन एक बड़ी दुर्घटना से बाल-बाल बच गई। ट्रेन तिरुवनंतपुरम से नई दिल्ली जा रही थी। जानकारी के मुताबिक, ललितपुर में स्थानीय रेलवे प्रशासन की गलती के कारण ट्रेन क्षतिग्रस्त ट्रैक पर दौड़ गई। जब ट्रेन आ रही थी तो रेलवे स्टाफ ट्रैक पर काम कर रहा था। उन्होंने लाल झंडी दिखाई लेकिन जब तक लोको पायलट ने आपातकालीन ब्रेक लगाए, तब तक तीन डिब्बे ट्रैक के क्षतिग्रस्त हिस्से से गुजर चुके थे।

बड़ा हादसा टल गया और घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। हालांकि, जब ट्रेन झांसी पहुंची तो यात्री ट्रेन से उतर गए और हंगामा करने लगे। हाल के सप्ताहों में ट्रेनों को पटरी से उतारने और दुर्घटनाओं को अंजाम देने की कोशिशें तेजी से बढ़ी हैं। अकेले यूपी में ऐसे कई मामले सामने आए हैं। 28 सितंबर को महोबा जिले के मानिकपुर रेलवे लाइन के बांदा-महोबा रेलवे ट्रैक पर टूटे हुए खंभे का एक टुकड़ा रख दिया गया था। सतर्क लोको पायलट द्वारा समय पर आपातकालीन ब्रेक लगाने के कारण दुर्घटना टल गई।

गुलाब नबी आजाद ने की अधिक से अधिक मतदान की अपील

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में तीसरे और अंतिम चरण का मतदान 1 अक्टूबर हो रहा है। इस अवसर पर कई वोटर्स ने पहली बार वोट डाले और अपना उत्साह प्रकट किया। इसके अलावा डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने भी लोगों से ज्यादा से ज्यादा मतदान करने की अपील की। गुलाम नबी आजाद ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, "मेरी सबसे यही अपील है कि आज तीसरे और अंतिम चरण का चुनाव है। आज जिन जिलों में मतदान हो रहा है, वहां लोगों को जाना चाहिए। अधिक से अधिक लोगों को अपने मतदान क्षेत्र में जाकर वोट डालने चाहिए।"

उधमपुर में पहली बार अपना वोट डालने वाली मानसी चौधरी ने आईएएनएस से कहा, "मुझे वोट डालने की बहुत उत्सुकता थी। मैंने वोट डालकर अपनी जिम्मेदारी पूरी की है और सभी युवाओं को ऐसा करके अपनी ड्यूटी करनी चाहिए। एक विद्यार्थी के तौर पर मुझे जो सही लगा है मैंने उसको अपना वोट दिया है।" ऐसे ही विजयपुर के वार्ड नंबर 10 से पहली बार वोटर पलक शर्मा ने भी आईएएनएस के साथ अपना अनुभव साझा करते हुए।

कुछ चुनिंदा अरबपतियों के पास जा रहा सारा पैसा

संविधान खत्म करना चाहती है भाजपा- राहुल गांधी

हरियाणा

कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा संविधान को खत्म करती है, हम संविधान की रक्षा करते हैं। उन्होंने दावा किया कि आज के हिंदुस्तान में कुछ चुनिंदा अरबपतियों के पास सारा पैसा जा रहा है। वहीं पेट्रोल-डीजल, प्याज जैसी चीजों के दाम बढ़ाकर आपकी जेब से लगातार पैसा निकाला जा रहा है।

कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हरियाणा के बहादुरगढ़ में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि हर कोई जानता है कि यहां ड्रग्स का मुद्दा है। मैं मोदी जी से पूछता हूं कि जब अडानी के मुद्रा पोर्ट पर हजारों किलो ड्रग्स पकड़ी गई, तो आपने क्या कार्रवाई की? उन्होंने दावा किया कि जब हम सत्ता में आएंगे, तो 1200 रुपये में बिकने वाला (एलपीजी) गैस सिलेंडर अब 500 रुपये प्रति सिलेंडर पर उपलब्ध होगा। हम हरियाणा के किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य भी देंगे। राहुल ने कहा कि हरियाणा के लोग सेना में जाते थे, लेकिन नरेंद्र मोदी ने 'अग्निवीर योजना' लाकर इस रास्ते को भी बंद कर दिया है। अग्निवीर योजना हिंदुस्तान के जवानों से पेंशन, कैंटीन और शहीद का दर्जा चोरी करने का तरीका है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के दलितों, पिछड़ों, गरीबों को जो भी मिला है।

दिल्ली में धारा 163 लगाए जाने पर भड़की अअद सरकार

उपराज्यपाल का तुगलकी फरमान- सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर हमलावर है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के लोगों को त्यौहार मनाने से रोकने के लिए एलजी ने तुगलकी आदेश दिया है।

आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को नवरात्रि उत्सव के दौरान दिल्ली पुलिस के निषेधाज्ञा आदेश की आलोचना की। सौरभ भारद्वाज ने इसे तुगलकी फरमान करार दिया और इसे तत्काल वापस लेने का आह्वान किया। सोमवार को जारी आदेश में सार्वजनिक व्यवस्था पर चिंताओं का हवाला देते हुए, छह दिनों के लिए दिल्ली के प्रमुख क्षेत्रों में पांच या अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगाता है। यह निर्देश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (सीआरपीसी की पिछली धारा 144 की जगह) के अंतर्गत आता है।

इसी आदेश को लेकर आम आदमी पार्टी उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर हमलावर है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के लोगों को त्यौहार मनाने से रोकने के लिए एलजी ने तुगलकी आदेश दिया है। पूरी दिल्ली में एक मैसेज तेजी से फैल रहा है कि एलजी की दिल्ली पुलिस ने 5 लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी है। पूरी दिल्ली में दुर्गा पूजा की जाती है, राम लीला होती है, भंडारे लगाये जाते हैं। क्या एलजी हिंदुओं को उनके त्यौहार मनाने से रोकना चाहते हैं? मैं, एलजी को कहना चाहता हूँ कि ऐसा होने वाला नहीं है।

दिल्ली सरकार के मंत्री ने कहा कि एलजी साहब भाजपा और कांग्रेस के नेताओं से छुप-छुपकर मिल रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर चुनाव : वाल्मीकि समाज के लोगों ने की पहली बार वोटिंग

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव में तीसरे चरण का मतदान हो रहा है। इस दौरान वाल्मीकि समाज ने पहली बार किया मतदान किया है। यह कई दशकों में पहली बार है, जब इस समाज के लोगों को मतदान का अधिकार मिला है।

तीसरे चरण के तहत जम्मू संभाग की 24 सीटों पर हो रहे मतदान के दौरान वाल्मीकि समाज के लोग गदगद नजर आए। इस दौरान इस समाज के कुछ वोटर्स ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए अपना अनुभव शेयर किया।

वाल्मीकि समाज के एक 85 वर्षीय सदस्य ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, "आज पहली बार वोट डाला है। बहुत खुशी हुई है।

हरियाणा की जनता कांग्रेस की झूठी गारंटी में बहकावे में नहीं आने वाली : जेपी दलाल

भिवानी। हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री और लोहारू विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार जेपी दलाल ने मंगलवार को पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने अपनी जीत और कांग्रेस की हार का दावा किया।

जीत के दावे की वजह का खुलासा भी किया। दलाल के मुताबिक अपने क्षेत्र के लिए उन्होंने काम बहुत किया है। बताया, लोहारू के किसानों को जो फायदा मिला है, नहरी पानी मिला है, फसलों का भाव मिला है , बीमा मिला है, यहां बड़े बड़े प्रोजेक्ट आए हैं, उससे किसान बहुत खुश है। तीस साल से नहरी पानी को रोहतक वाले ले जाते थे वह अब उन तक पहुंच गया है, इसलिए निश्चित तौर पर यहां के किसान भारी बहुमत से भाजपा को जिताएंगे।

इसके साथ ही पूर्व मंत्री ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की गारंटियों को उन्होंने झूठा बताते हुए कहा कि राहुल गांधी अपनी बहन प्रियंका गांधी को साथ लेकर घूमने-फिरने आते हैं। लोगों को पता चल चुका है कि उनकी गारंटी झूठी होती है। हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक में उनकी गारंटी झूठी निकली।

राम और रोम की संस्कृति में बहुत अंतर, आपका परिवार...

राहुल गांधी के नाच-गाने वाले बयान पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पलटवार

हरियाणा

आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि दुर्भाग्यपूर्ण कांग्रेसी इससे नफरत करते हैं। उन्होंने कहा कि 500 ??साल के इंतजार के बाद पूरा देश और दुनिया अभिभूत और खुश है। लेकिन इन बदनसीब कांग्रेसियों को इससे नफरत है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा के भिवानी जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए प्रचार करते हुए गांधी-नेहरू परिवार की तीन पीढ़ियों पर हमला किया। इस साल की शुरूआत में 22 जनवरी को अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के उद्घाटन का जिक्र करते हुए, आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि दुर्भाग्यपूर्ण कांग्रेसी इससे नफरत करते हैं। उन्होंने कहा कि 500 ??साल के इंतजार के बाद पूरा देश और दुनिया अभिभूत और खुश है। लेकिन इन बदनसीब कांग्रेसियों को इससे नफरत है।

योगी ने आगे कहा कि कहा कि एक तरफ वे लोग हैं जो भगवान राम की संस्कृति में पले-बढ़े हैं... और दूसरी तरफ वे लोग हैं जो रोमन संस्कृति में पले-बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि वे बदनसीब जो दुर्भाग्य से खुद को ह्यएक्सीडेंटल हिंदूह्ल कहते हैं, वे इसे कैसे बर्दाश्त करेंगे? उन्होंने कहा, वे कहते हैं कि अयोध्या में जब राम लला के मंदिर का उदघाटन हो रहा था तब वहां नाच गाना चल रहा था। अरे जिंदगी भर तुम्हारा परिवार यही करता रहा है।

इससे पहले कांग्रेस के राहुल गांधी ने कथित तौर पर 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की 'प्राण प्रतिष्ठा' को "नाच-गाना" कार्यक्रम के रूप में संदर्भित करने के बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया था। हरियाणा के हिसार में एक सार्वजनिक सभा में बोलते हुए, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने भाजपा पर हमला बोलते हुए दावा किया कि भगवा पार्टी ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से आम नागरिकों, विशेषकर किसानों को बाहर रखा।

27 सेकंड के वीडियो क्लिप में, राहुल गांधी को कथित तौर पर राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को हाशिए के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के बजाय एक सेलिब्रिटी कार्यक्रम में बदलने के लिए सरकार की आलोचना करते हुए सुना जा सकता है।

उन्होंने कहा कि जब अयोध्या में मंदिर खुला तो आपको अडानी, अंबानी और अमिताभ बच्चन तो दिखे, लेकिन वहां एक भी किसान या मजदूर मौजूद नहीं था। इसमें 'नाच गाना' था, लेकिन उन लोगों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं था जो वास्तव में भारत के श्रमिक वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं।

यमुनापार के व्यापारी पंचायत तथा जसरा व्यापार मंडल के शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया

अखंड भारत संदेश

जसरा। जिस दिन व्यापारी समाज एकजुट होकर के खड़ा हो जाएगा उस दिन से उसका उत्पीड़न तो दूर व्यापारी समाज की तरफ कोई आंख उठा कर-के देख नहीं पाएगा। व्यापारी समाज वह समाज है जो देश को आर्थिक मजबूती के साथ साथ भारत की संस्कृति को भी आगे बढ़ाने का काम करता है । उक्त बातें आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने जसरा में आयोजित व्यापारी महापंचायत के समय उपस्थित व्यापारियों को संबोधित करते हुए कही। जसरा के ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कॉलेज के सभागार में आज यमुनापार के व्यापारी पंचायत तथा जसरा व्यापार मंडल के शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया था जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने जहां व्यापारियों की समस्याएं सुनी वहीं पर व्यापारी समाज को आह्वान किया कि आपकी आधी से ज्यादा समस्या आपकी एकजुटता के सामने खत्म हो जाएगी। व्यापारियों की एकजुटता से जहां देश को बल मिलता है वहीं पर व्यापारी समाज को भी मजबूती मिलती है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने रामबाबू केसरवानी व्यापार मंडल अध्यक्ष जसरा को उनके पदाधिकारीगण के साथ शपथ ग्रहण भी कराया । तथा व्यापार मंडल अध्यक्ष रामबाबू केसरवानी ने प्रदेश अध्यक्ष को तलवार भेंट कर सम्मानित किया । इस अवसर पर नीरज जायसवाल को शहर अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा भी की गई। पंचायत की अध्यक्षता मंडल प्रभारी रमेश केसरवानी ने तथा संचालन शंकर लाल मधुकर ने किया । यमुना पार अध्यक्ष चंद्र प्रकाश केशरी ने आए हुए लोगों का आभार व्यक्त किया । इस अवसर पर प्रदेश के पदाधिकारी संकेत चतुर्वेदी , अनिरुद्ध निगम , मुन्ना यादव , मनीष पांडे , महेंद्र गोयल , नीरज जायसवाल ने भी व्यापारियों की समस्याएं सुनी और उनके निराकरण की बात की । कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुरेंद्र कुमार केसरवानी सोनू , अतुल नेता, प्रमोद केसरवानी बबलू डंडा, शत्रुघ्न केसरवानी बाबा, तीरथ केसरवानी ,संतोष केसरवानी कर्मा, जितेंद्र बबलू जारी, आनंद जायसवाल, अंकुर केसरवानी, दिनेश कुमार गौहानिया, राजेश गुप्ता उर्फ राजू, राजमणि पटेल, बच्चा मालवीय, मुकेश केसरी, आनंद केसरवानी, जयप्रकाश महाजन सहित सैकड़ो व्यापारी उपस्थित रहे।

शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक को मातृ शोक, दी गई श्रद्धांजलि

सहसों। क्षेत्र के चंदौहां गांव निवासी सीनियर बेसिक शिक्षक संघ के जिला महामंत्री एवं भाजपा गंगापार शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक रमेश कुमार द्विवेदी की माता जयंती द्विवेदी पचासी वर्षीया पत्नी सेवानिवृत शिक्षक यज्ञ नारायण द्विवेदी का निधन सोमवार की सुबह लगभग पांच बजे हो गया। वह लगभग एक सप्ताह से अस्वस्थ चल रहीं थीं और शहर के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। उनके निधन से क्षेत्र में शोक छा गया। निधन की जानकारी मिलते ही शिक्षकों एवं भाजपा कार्यकताओं तथा संभ्रांत व्यक्तियों में शोक व्याप्त है। उनके आवास पर पहुंचकर लोगों ने शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना देते गहरा दुःख प्रकट कर शोक व्यक्त किया। इस अवसर पर लोगों द्वारा मृतक आत्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित करते सच्ची श्रद्धांजलि दी गई तथा दो मिनट का मौन रखकर आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना किया गया। इस मौके पर शिक्षक कमला कांत शुक्ला, शिक्षक महारानी दीन मिश्र, प्रधानाचार्य शिव प्रकाश तिवारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष जय प्रकाश दूबे, भाजपा नेता वीरेन्द्र बहादुर सिंह, चन्द्रधर द्विवेदी, रमाकांत पांडे, राकेश प्रसाद मिश्र, राजधर द्विवेदी, सुभाष चन्द्र शुक्ला, कृष्ण मोहन तिवारी, कुंवर मृगेंद्र सिंह, विनोद कुमार द्विवेदी, संतोष कुमार द्विवेदी एवं संजय कुमार द्विवेदी सहित भारी संख्या में लोगों ने श्रद्धांजलि देकर शोक व्यक्त करते उपस्थित रहे।

डीएम ने जांच टीम किया गठित तत्काल मांगी रिपोर्ट

बढ़वारी कला गोशाला में मृत मवेशियों का मामला

कोरांव। ब्लॉक कोरांव के बढ़बारी में स्थित गोशाला में कथित ग्राम प्रधान,और सचिव की लापरवाही से मरी गायों के मामले में जांच निष्पक्ष न होने की शिकायत पर नए डीएम प्रयागराज ने डीडीओ,एसडीएम,बीडीओ सहित चार सदस्यीय टीम का गठन किया और मंगलवार को ही शाम पांच बजे तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश अनुपालन में टीम बढ़वारी गांव पहुंची और जांच किया। शिकायत करने वालों ने आरोप लगाया कि टीम ने मौके की जांच में नहीं बुलाया। प्रमोद मिश्र पयासी सोशल वर्कर ने गोशाला में भ्रस्त्रचार और घोर लापरवाही की शिकायत मौके पर अधिकारियों की टीम के सामने किया। माग भी किया कि यदि जांच सही नहीं हुई तो आगे की कार्यवाही के लिए आगे आना होगा। इसके पूर्व भी क्षेत्रीय ने तथा अन्य जांच से संबंधित नोडल अफसरों की जांच हो चुकी थी।

किसान यूनियन अराजनैतिक ने की बैठक कर बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक ने मऊआइमा विकास खंड परिसर में बैठक कर किसानों की समस्याओं को उठाए।तथा गरीबों , विधवाओं, भूमिहीनों को सीएम पीएम आवास देने और मऊआइमा क्षेत्र में आवारा पशुओं द्वारा फसलों को नष्ट करने,तथा बेमौसम बारिश से तबाह किसानों को मुआवजा देने, बिजली का बिल बकाया में काटे गए कनेक्शन को जोडने और मऊआइमा थाना में पेंडिंग तीन मुकदमा को चार्जशीट लगाने सम्बंधित ज्ञापन बीडीओ उमेश सिंह को सौंपे। ज्ञापन देने वालों में मंडल अध्यक्ष बबलू दुबे, अमरनाथ यादव,भारत लाल पटेल,लाल प्रसाद यादव, ब्लाक अध्यक्ष विजय कुमार पटेल, राजेन्द्र कुमार पटेल, कुसुम देवी,सोना सिंह आदि मौजूद रहे।

मऊआइमा में दिन दहाड़े अभूषण कारोबारी से हुई लाखों की लूट में अभी भी पुलिस के हाथ खाली

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। मऊआइमा के दादूंपुर गांव में सोमवार को दिनदहाड़े अभूषण कारोबारी की दुकान में घुस कर तमंचा सटा कर अभूषण लूटेरों को अभी तक पुलिस हिरासत में लेने में असफल रही है। हालांकि भुक्तभोगी राहुल कुमार सोनी ने लाखों के जेवरात चोरी का मुकदमा दर्ज करा दिया है। सोमवार को मऊआइमा थाना क्षेत्र के दादूंपुर चौराहे पर राहुल कुमार सोनी पुत्र जगदीश प्रसाद सोनी की ज्वैलर्स और कपड़े आदि की दुकान है।वह लोगों का जेवरात बनाते हैं तथा बेचते भी हैं। सोमवार4 को दिनदहाड़े एक बाइक पर दो सवार आए। जेवरात लेने के बहाने तमंचा लगाकर कर लाखों का जेवरात लूट कर बाइक से प्रतापगढ़ के रानीगंज के शेखपुर की ओर भाग गए। हालांकि ग्रामीणों ने बदमाशों का पीछा किए परन्तु असफल रहे। सूचना पर भुक्तभोगी राहुल सोनी को लेकर मऊआइमा पुलिस भी लुटेरों की तलाश में जुटी रही परन्तु असफल रही। राहुल कुमार सोनी के यहां सीसी कैमरे न होने पर पुलिस आस पास लगे सीसी कैमरों का फुटेज निकलवाकर कतिपय संदिग्धों को हिरासत में ले कर पूछ ताछ कर रही है।अभी तक पुलिस के हाथ खाली है। फिलहाल भुक्तभोगी राहुल कुमार सोनी ने अज्ञात लुटेरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। मऊआइमा इंस्पेक्टर वीरेंद्र कुमार मिश्रा का कहाना है कि इस घटना का जल्द खुलासा होगा।

मिल के लूट लिया गांव को चकबंदी वालों ने...

जहां जहां हो रही चकबंदी वहां वहां चकबंदी प्रविधानों का उल्लंघन, विवाद बढ़े, अधिकारी मलाई काट रहे

अखंड भारत संदेश

कोरांव। सरकार ने चकबंदी प्रक्रिया को किसानों के हितार्थ चकबंदी प्रविधानों के हितार्थ ग्राम सभाओं में जनहित में चकबंदी कराती है किंतु कुछ अधिकारी चकबंदी कर्ता किसानों का माला माल होने के चक्कर में किसी का चक ताश की पत्तों की तरह इधर उधर फेंट कर विवाद को नया जन्म देकर कंगाली और बबार्दी तथा फौजदारी विवादों की वृद्धि जरूर करते देखे जा रहे हैं। तहसील कोरांव के जिन जिन गांवों में चकबंदियां हुई हैं वहां पर किसान आज भी उनकी मनमानी का आलम झेल रहे हैं। पैसे ले कर किसी का रकबा खतौनी में कुछ तो नक्शे में कुछ बढ़ा दिया गया है तो कहीं खतौनी में सरकारी ग्राम समाज की जमीनें तो खतौनी में हैं किंतु मौके पर उक्त भू खंड लापता है। किसी गरीब का चक पैसे वालों से रिश्वत ले कर दूर या अच्छे जगह बैठा दिए हैं तो किसी को कंगाल कर दिए हैं। या फिर किसी को बराबर के काश्तकार हिस्सेदारों को अनदेखी कर किसी को ज्यादा भूमि का चक बना दिए हैं जिससे कृषक अपने ही खेत और हिस्से को पाने के लिए चकबंदी अधिकारियों के चक्कर लगा कर त्रस्त हैं। ऐसा तो उक्त तहसील के अल्हवा,खजुरी,देवघाट गांवों में देखा गया किंतु अब धारा ,५२ के प्रकाशन के पहले महुली ग्राम सभा में चक बंदी वालों ने विवाद का गढ़ बना दिया है। और विधिवत सार्वजनिक स्थलों की स्थापना में भी रुचि उक्त विभाग ने नहीं दिखाई और भू माफियाओं के इशारे पर कार्य करते आ रहे। ग्राम सभा महुली में देवदास निवासी महुली के मुद्दतिन से कब्जे दखल की भूमि में दूसरे को बैठाल दिया। खातों के विभाजन शुरू में सही किए किंतु बाद में रिश्वत ले कर एक ही व्यक्ति को चक बना कर दे दिया। जब की सभी हिस्सेदारों को बराबर का सड़क साइड और हर साइड में चक बनाना चाहिए था।

इस संबंध में डीडीसी प्रयागराज के यहां १७ अगस्त ३९२४ को हामिद अली बनाम सरकार धारा 48/3 जोत चकबंदी अधिनियम में बाद दाखिल किया है और न्यायोचित कार्यवाही की मांग की है। डीडीसी ने स्थलीय जांच की बाद ही कोई कार्यवाही या निर्णय लिए जाने की बात कही है। आम नागरिकों ने चकबंदी संपन्न गांवों में अनंतिम समय में किए गए रिश्वत के आधारों पर चकों का निस्तारण तथा नए अमल दरमादों और उत्पन्न विवादों नक्शे बड़े किए जाने आदि विवादों शिकायतों की जांच टीमें गठित कर दोषी और कंगाल करने वाले चकबंदी अधिकारियों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही और उनकी अकूत संपत्तियों की जांच मुख्य मंत्री एवं चकबंदी आयुक्त उत्तर प्रदेश लखनऊ से मांग की है।

पूर्व विधायक के असामयिक निधन से अपूर्णीय क्षति

सहसों। ब्लॉक प्रमुख सहसों गीता सिंह की अध्यक्षता में ब्लॉक के सभागार में एक शोक सभा आयोजित की गई। जिसमें मेजा की पूर्व विधायक नीलम करवरिया को भाजपा नेता एवं कार्यकताओं ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर भाजपा के गंगापार जिला उपाध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह पटेल ने कहा कि जन जन की प्रिय रहीं पूर्व विधायक के असमय चले जाने से भाजपा संगठन एवं समाज की अपूर्णीय क्षति हुई है। उनकी पार्टी कार्यकर्ता एवं समाज के लिए समर्पण भाव तथा किए गए कार्य सभी के दिलों में जीवंत रहेंगे। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता राकेश बहादुर सिंह ने कहा कि सरल स्वभाव व मृदुभाषी तथा लोगों के सुख दुःख की साथी होते पूर्व विधायक का जीवन सभी के लिए प्रेरणादाई है। इस अवसर पर प्रेम कुमार सिंह लल्ले, संदीप द्विवेदी, भूपेंद्र मिश्रा, जोखू लाल तिवारी, गुलाब प्रसाद त्रिपाठी, प्रधान बाल गोविंद तिवारी, धर्मेंद्र मौर्य, प्रमुख प्रतिनिधि शिवनारायण सिंह गप्पू सहित आदि रहे।

प्रतापगढ़ जाते समय सभापति एमएलसी सुरेंद्र चौधरी का हुआ भाव्य स्वागत

मऊआइमा। मंगलवार को प्रयागराज से प्रतापगढ़ जाते समय सभापति एम एल सी सुरेंद्र चौधरी का मऊआइमा ब्लाक चौराहे पर असद उल्ला के आवास फूल-मालाएं पहना कर भाव्य स्वागत भाजपाइयों ने किया। सभापति एम एस सी ने इस अवसर पर सभी का धन्यवाद देते हुए भाजपा सरकार की विकास कार्यों की गुणगान किए। स्वागत करने वालों में शारदा प्रसाद शुक्ला,राम सुन्दर मिश्रा, पूर्व प्रधान जमाल मदारी, पूर्व प्रधान मरखामऊ जमील, अफसार अहमद, प्रकाश नारायण पाण्डेय,एम एल सी पी आर ओ अनुप शुक्ला,जम्मन,राजू,सलोरे, ग्राम प्रधान मोहम्मदपुर सराय अली अशोक विश्वकर्मा,, मोहम्मद जावेद आदि दर्जनों लोग मौजूद थे।

मांडा में संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर गोष्ठी

मांडा। यमुनापार क्षेत्र के विकास खण्ड मांडा में सोमवार को ब्लॉक परिसर सभागार में एडीओ पंचायत रमाकांत पांडेय की अध्यक्षता में सचिव और पंचायत सहायकों की गोष्ठी हुई। इसमें संचारी रोग नियंत्रण के रोकथाम पर जानकारी दी गई और सभी ने शपथ ली। एडीओ रमाकांत पांडेय ने कहा, "संचारी रोगों के नियंत्रण के लिए हमें समुदाय की भागीदारी आवश्यक है। हमें अपने आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने और संचारी रोगों के प्रति जागरूकता फैलाने का काम करना होगा।इस अवसर पर विजेंद्र शुक्ला, संदीप कुमार, राजीव सक्सेना, चंद्रशेखर सिंह, संजीव कुमार, तेज बहादुर पटेल, कमल कुमार और आदित्य प्रसाद यादव उपस्थित रहे

मांडा में महिला ने कीटनाशक दवा पी लिया, इलाज जारी

मांडा। यमुनापार क्षेत्र के मांडा थानांतर्गत सोमवार को मांडाखास की 45 वर्षीय शकुंतला ने अचानक कीटनाशक पी लिया। परिजनों को जब घटना की जानकारी मिली, तो वे तुरंत उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मांडा ले गए। डॉक्टरों ने तत्काल इलाज शुरू किया और उनकी हालत में सुधार लाने के लिए आवश्यक उपचार किया। सीएचसी मांडा के डॉक्टरों ने बताया कि शकुंतला की हालत में सुधार हो रहा है और उन्हें निगरानी में रखा गया है। परिजनों ने घटना के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

राष्ट्र व धर्म रक्षा हेतु वीरगति को प्राप्त लोगों के लिए हुआ सामूहिक तर्पण

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी मां भगवती वैदिक शिक्षण जनसेवा संस्थान खखैचा प्रतापपुर एवं नैतिक धार्मिक संस्कृत शिक्षा भारत के तत्वावधान में देश, धर्म, राष्ट्र की रक्षा हेतु अपने प्राणों का त्याग करने वाले हुतात्माओं और वीरगति को प्राप्त हुए वीर बलिदानियों की आत्मा की शांति के लिए प्रयागराज में तर्पण किया गया। कार्यक्रम के संयोजक संस्था के संस्थापक/अध्यक्ष आचार्य धीरज द्विवेदी याज्ञिक ने बताया कि अपने पितरों के लिए तो सभी तर्पण और श्राद्ध करते हैं परंतु हमारी यह संस्था वसुधैव कुटुम्बकम् को चरितार्थ करते हुए देश, धर्म, राष्ट्र के लिए बलिदान होने वाले वीरों और सैनिकों के लिए तर्पण प्रदान करती है। यह कार्य विगत 7 वर्षों से लगातार किया जा रहा है शास्त्रानुसार पितृपक्ष के चतुर्दशी तिथि को अस्त्र, शस्त्र से मृत हुए लोगों का तर्पण श्राद्ध किया जाता है इसलिए हम लोग भी प्रत्येक वर्ष चतुर्दशी तिथि को ही वीरगति को प्राप्त हुतात्माओं एवं शहीद हुए सैनिकों के लिए तर्पण करते हैं। मुख्य अतिथि परशुराम अखाड़ा के संस्थापक एवं चाणक्य पीठाधीश्वर पूज्य सुदर्शन शरण जी महाराज ने शास्त्रोक्त विषयों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकार सहित हम समस्त देशवासियों को राष्ट्र और धर्म के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर बलिदानियों का तर्पण श्राद्ध और सम्मान करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों को नाश्ता, मिष्ठान प्रसाद आदि वितरण किया गया। इस अवसर पर तीर्थ पुरोहित अजय कुमार तिवारी, परशुराम अखाड़ा के निजी सहायक सचिव कृपाचार्य कृपाशंकर, जौनपुर से प्रदीप पांडेय पिंटू, प्रयागराज से रजनीकांत पांडेय व मनोज शुक्ल, मांधाता से राजन दुबे व ठाकुर अविनाश सिंह, अनुराग तिवारी, चकिया प्रयाग से नारायण दास वैश्य, प्रतापपुर से आशुतोष पांडेय, शाश्वत यादव आदि लोग तथा श्रीबज्रांग आश्रम के विद्यार्थी गण उपस्थित रहे।

कृषि विभाग द्वारा दी गई जसरा ब्लाक के अध्यापकों को मिलेरस (श्री अन्न) की जानकारी

अखंड भारत संदेश

जसरा। विकास खंड जसरा में कृषि विभाग की ओर से श्रीअन्न पुनरुद्वार वर्ष 2024-25 के अन्तर्गत जसरा ब्लाक के अध्यापकों का मिलेरस (श्री अन्न) की जानकारी कृषि विभाग के जयबीर सिंह एवं अविनाश मिश्र द्वारा दी गई। जिसमें शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राजकीय बीज भण्डार बुदांवा बीज गोदाम प्रभारी कमाल अहमद के द्वारा किया गया। भारत सरकार की महात्वाकांक्षी योजना मिलेरस पुरस्कार का उद्देश्य जन जन तक श्री अन्न की उपयोगिता को पहुंचाना है। कार्यक्रम में बीआरसी से सतीश कुशवाहा, शिक्षक एस पी सिंह, सरोज सिंह, असलम,आरके साहू,शिवभान सिंह, नरेश, वीरेन्द्र कुमार, अमित आदि शिक्षक गण मौजूद रहे।

ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्र ने बंधवा गांव में बने कूड़ा घर का किया अनावरण

कहा - ग्राम पंचायत के प्रत्येक मुहल्ले में हो कूड़ादान,स्वच्छ ग्राम पंचायत ही बनेगी स्वच्छता की मिशाल

मेजा। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि मेजा गंगा प्रसाद मिश्र ने मंगलवार को ग्राम पंचायत बंधवा में बने कूड़ा घर का फीता काटकर अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम स्वच्छता अभियान पर जोर देते हुए कहा कि ग्राम पंचायत के हर मुहल्ले में कूड़ा दान रखा जाय और हर व्यक्ति कूड़े को कूड़े दान में डालें जिससे स्वच्छ ग्राम पंचायत स्वच्छ भारत की मिशाल बन सके। इतना ही नहीं श्री मिश्र ने आगे कहा कि स्वच्छता ही एक अच्छे और विकासशील गांव की पहचान है, इसके लिए उन्होंने ब्लाक में तैनात सफाई कर्मियों को पूरी तत्परता के साथ साफ सफाई करने की हिदायत भी दिया।इस मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अनिल कुमार, ग्राम पंचायत अधिकारी श्याम सूरत, ग्राम सचिव अंकिता श्रीवास्तव, कृष्ण प्रकाश उपाध्याय, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य महेंद्र गुप्ता, पवन श्रीवास्तव, राकेश प्रजापति जीत लाल,नवीन, कमला शंकर,उमा शंकर आदि केअलावा कई सफाई कर्मी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।।

खेलों में देश का प्राचीनतम और मौलिक खेल है कबड्डी : लहरी भईया

छानबे के डांडवा पकसेड़ा के राजकीय कालेज में इशिका इवोल्यूशन क्लासेज के सौजन्य से आयोजित हुई प्रदेश स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता

मेजा। कबड्डी का खेल अपने देश का मौलिक और प्राचीनतम खेल है। इसके उत्थान के लिए राजकीय स्तर पर सार्थक प्रयास करने की जरूरत है। उक्त बातें गांव डंडवा पकसेड़ा, मिजार्पुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के फाइनल मैच में वरिष्ठ समाजसेवी श्यामकान्त शुक्ला उर्फ लहरी भइया ने बतौर मुख्य अतिथि कही। उल्लेखनीय है कि छानबे क्षेत्र के गांव डंडवा पकसेडा, जिला मिजार्पुर के राजकीय कॉलेज में इशिका इवोल्यूशन क्लासेज के सौजन्य से कबड्डी की प्रदेश स्तरीय विशाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे मिजार्पुर और प्रयागराज जिले के लोकप्रिय एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्यामकान्त शुक्ला उर्फ लहरी भइया का बतौर मुख्य अतिथि भव्य स्वागत किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रदेश की कुल 14 टीमों ने प्रतिभाग किया। फाइनल मैच दिनांक मंगलवार को सुबह साढ़े चार बजे खेला गया।फाइनल मैच में जौनपुर सिटी की टीम निर्धारित 20 मिनट में गौरा कला वाराणसी की टीम को 33 - 23 के अंतर से हराकर विजेता बनी।गौरा कला वाराणसी की टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 16हजार रुपया, मेडल और ट्रॉफी प्रदान किया गया जबकि उप विजेता टीम को 8 हजार रुपया, मेडल और छोटी ट्रॉफी दी गई। विजेता टीम जौनपुर सिटी की तरफ से कैप्टन विशाल वर्मा और उपविजेता टीम गौराकला वाराणसी की तरफ से कैप्टन सौरभ यादव ने पुरस्कार ग्रहण किया। इसके पूर्व खेले गए पहले सेमी फाइनल मैच में जौनपुर सिटी ने प्रयागराज स्टेडियम को कड़ी टक्कर देते हुए निर्धारित 16 मिनट में 25 - 23 के अंतर से पराजित किया था और दूसरे सेमी फाइनल मैच में गौराकला, वाराणसी ने छानवे एनसीसी को कड़ी टक्कर में निर्धारित 16 मिनट में 22 -18 के अंतर से पराजित किया। इस अवसर पर गांव और आस पास क्षेत्र से हजारों की भीड़ प्रतियोगिता ग्राउंड पर जमा थी।शाम सात बजे हल्की बरसात भी हुई लेकिन थोड़ी देर व्यवधान के बाद खेल फिर से आरंभ हो गया। प्रतियोगिता के अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप बिंद ने सभी खिलाड़ियों और दर्शकों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान अतुल दुबे,श्रीनाथ बिंद, जयनाथ बिंद, आर्मी सिपाही मनोज बिंद, अध्यापक पंकज बिंद, भूपेंद्र बहादुर बिंद, तिब्बत पुलिस के कमलेश बिंद, आर्मी सिपाही मुकेश बिंद, राहुल दुबे, ब्यास जी, गणेश बाबा गिरी, जय प्रकाश बिंद, जेपी, ढल्लू बिंद, प्रकाश बिंद, सोनू बिंद और लहरी भइया के निजी अंगरक्षक गनमैन बृजराज गिरी आदि के अलावा कई अन्य लोग प्रमुंख रूप से उपस्थित थे।

धूमधाम से निकला सार्वजनिक रामलीला समिति का कर्ण घोड़ा शोभा यात्रा

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी सार्वजनिक रामलीला समिति, पीएसी नैनी की ओर से मंगलवार को भव्य कर्ण घोड़ा का शोभा यात्रा निकाला गया। भगवान गणेश की अगुवाई में निकाली जा रही रहे विशाल जुलूस के पीछे बजनरंगबली विशाल प्रतिमा और कमेटी का ध्वज पताका लहरा रहा था। रामलीला मैदान से शुरू हुए जुलूस में एक दर्जन कलात्मक चौकियों के साथ ही बैंड बाजा, नगाड़ा व धमाल आकर्षण का केंद्र रहा। कर्ण घोड़ा जुलूस पीएसी कॉलोनी होते हुए चक भटाही, कॉटन मिल, अरैल मोड़, शंकरढाल, नैनी बाजार, स्टेशन रोड, हनुमाननगर, मेवालाल की बगिया, सब्जीमंडी, अशोक टाकीज होते हुए पुनः रामलीला मैदान जाकर समाप्त हुई। शोभा यात्रा में समिति के संरक्षक बुलबुल राव, मनोज सिंह, पार्षद व अध्यक्ष राकेश जायसवाल, कार्यवाहक अध्यक्ष प्रमोद सिंह, पार्षद पवन उर्फ सोनू यादव, अजय श्रीवास्तव, शिव तिवारी, गोरेलाल, पार्षद दिलीप जायसवाल, मंडल अध्यक्ष दिलीप केसरवानी, धर्मराज पटेल, गुड्डू गुडविल गैरेज, मोनू जायसवाल, दिनेश केसरवानी, पिंटू जैन, सिद्धार्थ पांडेय, हिमांशू पांडेय, अमित सिंह, उज्जवल यादव का लोगो ने माला पहनाकर स्वागत किया। जुलूस में शेषनाग, राधा-कृष्ण, मां काली की झांकी, भोलेबाबा की झांकी समेंत एक दर्जन कलात्मक चौकियां लोगो मे आकर्षण का केंद्र बनी रही। सुरक्षा के मद्देनजर नैनी समेंत कई थानों की फोर्स व पीएसी मौजूद रही।

मोक्षदायिनी है श्रीमद्भागवत कथा : मिथिलेश दास जी महाराज

नैनी। नैनी अरैल बांध रोड स्थित श्री फलाहारी बाबा आश्रम में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन मंगलवार को श्रीमद्भागवत कथा मर्मज्ञ मिथिलेश दास महाराज ने प्रद्युम्न चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि कोई भी जीवात्मा चाहे कितना ही प्रयत्न क्यों न कर ले किंतु परमात्मा की व्यवस्था के आगे उसकी चलती नहीं है। प्रद्युम्न जी संभरासुर का काल बनकर उसके भवन में रहे और उसका अंत कर दिया। सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए महाराज ने कहा कि मनुष्य तभी तक अभाव ग्रस्त रहता है जब तक ईश्वर की उस पर कृपा दृष्टि नहीं होती। सुदामा जी भगवान कृष्ण से मिलने द्वारिका गए और भगवान ने बिना उनके मांगे ही उन्हें सब कुछ प्रदान कर दिया। महाराज ने बताया कि भागवत एक ऐसा दिव्य साधन है जिसे अपना कर प्रत्येक मनुष्य सहजता से मोक्ष प्राप्त कर लेता है। भागवत जी की कृपा से ही राजा परीक्षित का मोक्ष हुआ। आश्रम की व्यवस्था देख रहे राजाराम दास महाराज के निर्देशन में भक्तों ने व्यवस्थित होकर कथा श्रवण कर पुण्य अर्जित किया। कथा में प्रमुख रूप से आश्रम के महंत स्वामी राम रतन दास, स्वामी राम मनोहर दास, स्वामी राम शिरोमणि दास, स्वामी सुखनिधान शरण दास, स्वामी राजाराम दास, रमेश चंद्र नेगी, वासुदेव चौरसिया, आर के शुक्ला, लल्लू कुशवाहा, लल्ला, हीरा सिंह आदि उपस्थित रहे।

श्री अवंतिका रामलीला में जन्म लियो रघुरइया अवधपुर बाजे बधइया

नैनी। नैनी श्री अवंतिका रामलीला में सोमवार को राम जन्म, विभीषण जन्म, रावण जन्म एवं कुंभकरण जन्म की लीला का मंचन हुआ। गुरु वशिष्ट सृंगी ऋषि को बुलवा कर पुत्रकामेष्टि यज्ञ करवाते हैं। अग्नि देव खीर प्रसाद लेकर प्रकट होते हैं। इस प्रसाद को महाराज दशरथ अपनी तीनों रानियां को देते हैं जिसके फल स्वरुप माता कौशल्या श्री राम को, माता कैकई भरत को एवं माता सुमित्रा लक्ष्मण तथा शत्रुघ्न को जन्म देती है। महाराज दशरथ प्रसन्न होकर प्रजा जनों में अन्न, धन, मोती, माणिक्य, हाथी, घोड़े दान करते हैं। रामलीला स्थल पर जय श्री राम के जयकारे गूंजने लगते हैं। व्यास जी गाते हैं जन्म लियो रघुरइया, अवधपुर बाजे बधइया। तबला भी बाजे, सारंगी भी बाजे और बाजे सहनइया। अवधपुर बाजे बधइया। लेड़ियारी की जिला पंचायत सदस्य रेखा देवी के पति एवं महान नर्तक हीरा ने राम जन्म पर अत्यंत भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को सम्मोहित कर दिया। रामलीला में प्रमुख रूप से बी बी दुबे, अवधेश पांडेय, राकेश त्रिपाठी, अरुण त्रिपाठी, अनंत झा, संजय चतुर्वेदी, रामबाबू नेता, बी बी सिंह, आर के शुक्ला, गुड्डू सिंह, धीरज मिश्रा, राजेश मिश्रा, गोविंद दुबे, बजरंगी, बिल्लू आदि उपस्थित रहे।

नैनी पुलिस ने अभियान चलाकर पांच ओवरलोड डंपर किये सीज

नैनी। नैनी कोतवाली क्षेत्र की पुलिस टीम व खनन विभाग की संयुक्त टीम ने सोमवार देर रात चाकाब्लाक से नए यमुनापुल तक ओवर लोड़ वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया। चौकी प्रभारी मामा भांजा अनिल भगत ने एक, चौकी प्रभारी एग्रीकल्चर विवेक सिंह ने दो व चौकी प्रभारी जेलरोड रमेश कुमार ने दो गिट्टी लदे डंपर सीज किए। अभियान से खनन माफिया और ओवरलोड़ चलने वालों में हड़कंप मचा रहा। नैनी पुलिस के मुताबिक रात दो बजे से ओवरलोड़ वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया गया। चाका ब्लाक से नए यमुनापुल, लेप्रोसी चौराहे तक चलाए गए अभियान मे कुल गिट्टी लदे कुल पांच ट्रक एवं डंपर को सीज किया गया।

दवा दुकानदारों से मनमानी चंदा मांगने पर हंगामा

मेडिकल कॉलेज में प्रोग्राम के नाम पर मेडिकल स्टूडेंट्स मांग रहे थे 30-40 हजार रुपये, प्रिंसिपल के हस्तक्षेप के बाद शांत हुआ मामला

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज में मंडल के सबसे बड़े अस्पताल स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में मंगलवार को जूनियर डॉक्टरों और दवा दुकानदारों में झड़प हो गई। मनमानी चंदा मांगने से नाराज दुकानदारों ने विरोध कर दिया। बस इसी बात को लेकर विवाद हो गया। कुछ अधिवक्ता दवा खरीदने के लिए मेडिकल स्टोर पर मौजूद रहे, उन्होंने भी इसका विरोध किया तो मेडिकल कॉलेज उनसे भी भिड़ गए। दर्जनों की संख्या में वकील भी पहुंच गए थे।जूनियर डॉक्टरों ने कई दुकानें बंद करा दीं तो गुस्साए दुकानदारों ने हड़ताल कर दी। दवा की सभी दुकानें बंद हो गईं। जांच क्लीनिकों को भी बंद कर दिया गया। सारे दुकानदार जमा होकर प्रिंसिपल ऑफिस पहुंच गए । मरीज परेशान दिखे।मामला मेडिकल के छात्रों द्वारा चंदा वसूलने को लेकर है। दरअसल, मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में हर साल कार्यक्रम कराया जाता है। इसके लिए

अस्पताल परिसर के अंदर और बाहर के कारोबारी चंदा देते हैं। पिछले बार 15 हजार रुपये लिए थे। इस बार ज्यादा रुपये की डिमांड करने लगे। 20 से 40 हजार रुपये तक मांगने पर विवाद बढ़ा है। मेडिकल के दर्जनों छात्र दोपहर में एसआरएन अस्पताल के गेट पर संचालित होने वाले मेडिकल स्टोर संचालकों के बीच पहुंच गए हैं। चंदा मांगने लगे। दुकानदारों ने कहा, पिछली बार जितनी चंदा दिए थे उतना ही दे पाएंगे, इस पर वह नाराज हो गए। और गाली गलौच करने लगे। इसके बाद विवाद बढ़ गया। हंगामा बढ़ने पर मौके पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गए। सारे दुकानदार अपनी दुकानों को बंद कर सीधे मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. वत्सला मिश्रा के पास पहुंच गए। उन्होंने मेडिकल छात्रों को बुलाया और इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए उन्हें फटकार लगी। अंत में मेडिकल स्टोर संचालकों ने आपस में मिलकर 2.51 लाख रुपये देने की बात कही। इस पर मामला शांत हुआ।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में महाकुम्भ के दृष्टिगत जनपद के निजी चिकित्सालयों/नर्सिंग होम के संचालकों के साथ बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

मण्डलायुक्त ने निजी चिकित्सालयों एवं नर्सिंग होम में पर्याप्त संख्या में बेड़ों सहित अन्य चिकित्सा सुविधाओं को रिजर्व में रखने हेतु सभी आवश्यक तैयारियां पहले से सुनिश्चित करने के लिए कहा

प्रयागराज। मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में महाकुम्भ-2025 के दृष्टिगत जनपद के निजी चिकित्सालयों/नर्सिंग होम में आकस्मिकता की स्थिति में पर्याप्त संख्या में बेड़ों सहित अन्य चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराये जाने के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त ने कहा कि महाकुम्भ मेले का आयोजन विश्व के सबसे बड़े आयोजनों में है। उन्होंने स्वास्थ्य सबंधी समस्त आवश्यकताओं को सरकारी अस्पतालों सहित निजी चिकित्सालयों में भी चिकित्सा सुविधा बनाये रखने के सम्बंध में आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले सभी श्रद्धालु अतिथि के समान है। अतिथि की सेवा करना हमारी परम्परा रही है। उन्होंने सभी निजी चिकित्सालयों के प्रतिनिधियों से अपने यहां बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं बनाये रखने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थायें पहले से ही करने के लिए कहा है। मण्डलायुक्त ने चिकित्सालयों के प्रतिनिधियों से अपने यहां चिकित्सकों, बेड व अन्य सभी सुविधाओं की मैपिंग कराये जाने के साथ ही ओपीडी रोस्टर तैयार कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने जनवरी माह से पूर्व ही मानक के अनुरूप ब्लड की व्यवस्था सुनिश्चित बनाये रखने के लिए कहा है, इसके लिए उन्होंने ब्लड डोनेशन कैम्प आयोजित कराये जाने के निर्देश दिए है। मण्डलायुक्त ने कहा कि महाकुम्भ मेले के आयोजन में स्वास्थ्य सेवाओं को देना एक पुनीत कार्य है, इसमें सभी लोग को अपना अमूल्य योगदान दें।कुम्भ मेलाधिकारी विजय किरण आनन्द ने कहा कि शासन के निर्देश पर महाकुम्भ मेले के सकुशल आयोजन के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर विस्तृत प्लान तैयार किया जा रहा है, जिसकी मानीटरिंग प्रमुख सचिव स्तर पर की जा रही है। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारियों की मैपिंग की जा रही है। मेलाधिकारी ने कहा कि विशेष स्नानों की तिथियों में सभी चिकित्सालयों के प्रबंधक अपने हॉस्पिटलों में किसी भी आपात कालीन स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संख्या में बेड व अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था रिजर्व रूप में बनाये रखने के लिए अभी से अपनी कार्ययोजना बनाकर उसके अनुरूप पहले से ही तैयारी करें। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने सभी निजी चिकित्सालयों के प्रबंधकों से अपने अस्पताल की व्यवस्था के बारे में पूरी सूचना उपलब्ध कराने के लिए कहा है तथा महाकुम्भ मेला-2025 के दृष्टिगत अस्पतालों में बेड़ों की संख्या के बारे में जानकारी उपलब्ध कराते रहने के लिए कहा है, ताकि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करायी जा सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 आशु पाण्डेय, अपर मुख्य चिकित्साधिकारीगण सहित निजी चिकित्सालयों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया

प्रयागराज। नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय, प्रयागराज के संस्थापक कुलाधिपति जे एन मिश्र के जन्मदिन के अवसर पर पिछले 14 सितंबर से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत विश्वविद्यालय में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसकी अंतिम कड़ी में स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत की संकल्पना को आत्मसात करते हुए सभी ने स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जमुनीपुर मुख्य परिसर में अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण डॉ छाया मालवीय के नेतृत्व में स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जिसमें डॉ सब्यसाची, निदेशक जमुनीपुर परिसर, डॉ श्रवण मिश्र, डॉ मंजू शुक्ला, डॉ प्रदीप मिश्रा, डॉ अनीता सिंह, डॉ अभिषेक तिवारी, डा विक्रम सिंह, डॉ उत्तम कुमार, डॉ आदिनाथ, डॉ सुजीत गुप्ता, डॉ रामेंद्र तिवारी, डॉ अवधेश कुमार, डॉ किरन सिंह, डॉ शिवाश्रे यादव, डॉ धर्मेंद्र सिंह,डॉ विष्णु शुक्ला, डॉ मोहम्मद वाकिफ, डॉ संजय पांडे, डॉ आलोक मिश्र, डॉ राघवेंद्र मालवीय, श्री विमलेश दुबे, प्रज्वल, तत्सत सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

दूरसंचार टेलिफोन सलाहकार समिति के सदस्य बने नयन

नैनी। नैनी कांग्रेस पार्टी के महानगर उपाध्यक्ष नयन कुमार कुशवाहा को दूर संचार विभाग टेली फोन सलाहकार समिति प्रयागराज का सदस्य बनाया गया है। सांसद उज्जवल रमन सिंह को बहुत बहुत बधाई जिनके प्रयास से यह कार्य संभव हुआ। नयन कुमार कुशवाहा को दूर संचार टेलीफोन सलाहकार समिति का सदस्य बनने पर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्रा अंशुमन, महानगर कांग्रेस के महासचिव राकेश श्रीवास्तव, सांसद प्रतिनिधि विनय कुमार कुशवाहा, रघुनाथ द्विवेदी, विवेक पांडे, अंजुम नाज, वीरेंद्र शर्मा, प्रदीप वर्मा, वैभवी जोशी, शिवशंकर मिश्रा, मुन्ना जाफरी, निजामुद्दीन, शत्रुघन भारतीय, राजकुमार कुशवाहा, नागेश भारतीय, राजू भारतीय, शंभूनाथ शर्मा आदि लोगों ने बधाई दिया हैं।

चार दिन के भीतर पुलिस ने किया लूट का खुलाशा

हनुमानगंज। सरायइनायत थाना क्षेत्र में किराना व्यापारी के साथ हुई लूट का पुलिस ने चार दिन के भीतर मंगलवार को खुलासा करते हुए चार लुटेरों को जेल भेज दिया। पकड़े गए लुटेरों के पास से लूट के माल के साथ बाइक, तमंचा, कारतूस भी पुलिस ने बरामद किया। व्यापारी के करीबी पिकप चालक ने अपने साथी के साथ मिल कर लूट की साजिश रची थी। घटना में दो नाबालिक भी शामिल थे। डीसीपी गंगानगर कुलदीप गुनावत ने बताया कि फतुहां निवासी किराना व्यापारी शुभम केशरवानी के साथ शनिवार को तीन बाइक से आये 6 बदमाशो ने मारपीट कर 75 हजार रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया था। मामले की जांच में जुटी सरायइनायत पुलिस के साथ एसओजी गंगापार, सर्विलांस टीम ने सीसी टीवी की मदद से घटना में शामिल लोढ़वा सरायइनायत निवासी शिवम सिंह, सदरेपुर निवासी शिव बाबू, जैतपुर निवासी मो. समीर, फतुहा निवासी अर्जुन भारतीया सहित दो नाबालिक को गिरफ्तार कर लूट के 50 हजार रुपये, बाइक, तमंचा बरामद कर सभी को जेल भेज दिया। डीसीपी गंगानगर ने बताया कि शुभम केशरवानी के साथ माल लेने जा रहे पिकअप चालक शिव बाबू ने अपने साथी शिवम के साथ मिल कर लूट की योजना बनाई थी।

धूमधाम से मनाई गई पूर्व गृहमंत्री धर्मवीर की जयंती

सेवानिवृत्त एडीएम माताफेर ने कहा कि जननेता धर्मवीर जीवन में किंचित आभाव को मानवता के लिए आवश्यक बताते थे। आज हम सब उनकी 90वी जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

प्रयागराज। जननेता पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री धर्मवीर की जयंती 30 सितम्बर को ट्रांसपोर्ट नगर चौराहे स्थित उनकी मूर्तिस्थल पर धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर पूर्व रिटायर्ड एडीएम माताफेर ने सैकड़ों अतिथियों के साथ माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बताया कि धर्मवीर मानवता को श्रेष्ठ धर्म मानते थे और मेरी प्रतिभा को निखारने में उनका अमूल्य योगदान था। इसके पूर्व धर्मबीर के पैतृक निवास स्थान पर उनकी पत्नी इंदिरा देवी ने अपने परिवार व कुटुंब के साथ वैदिक रीति से हवन पूजन कर उनको श्रद्धासुमन अर्पित किया। जजमान के रूप में पूर्व सांसद शैलेंद्र कुमार और पूर्व विधायक सत्यवीर मुन्ना सपत्नीक अपने साथी समर्थकों के साथ हवन में आहुति अर्पित कर पिता को श्रद्धासुमन अर्पित किया। आर्य समाज के प्रकांड विद्वान अशफी लाल शास्त्री राधेश्याम जयसवाल एवं राम सुरेमन आर्य ने यज्ञ हवन संपन्न कराया । करीब 11 बजे ट्रांसपोर्ट नगर मुँडेरा चौराहे स्थित मूर्ति स्थल पर माल्यार्पण के बाद पूर्व सांसद कौशांबी शैलेंद्र कुमार ने माल्यार्पण कर अपने पिता को याद करते हुए उन्हें मानवीय गुणों से युक्त अति उच्च मानदंडों वाला राजनेता बताया। पूर्व विधायक सत्यवीर मुन्ना ने उन्हें पिछड़ों विपन्नों में राजनैतिक चेतना विशेषकर मार्शल कौम पासी समाज में राजनैतिक जागरूकता पैदा करने वाला जननेता बताया। श्रद्धांजलि समारोह में काफी संख्या में आए समर्थकों के मध्य पासी विवाह कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष राम अभिलाष पासी रमाशंकर भारती मोतीलाल कश्यप ने उन्हें पासी समाज के गौरवशाली इतिहास को प्रज्जवलित करने वाला दूरद्दष्टा नेता बताया जो मात्र 49 वर्ष की अल्पायु में है हम सबको अनाथ छोड़ चले गए।श्रद्धांजलि समारोह में कौशाम्बी से आए धर्मवीर के पुराने साथी रिजवान अहमद रवींद्र पांडेय मोईनउद्दीन नेता इसरार अहमद अशोक सिंह बैतुल पांडे रामबाबू केसरवानी आदि ने उनको याद करते हुए उन्हें गंगा यमुना के द्वाबा की कीर्ति को पूरे भारत में फैलाने वाला नेता बताया जो सबको साथ लेकर चलते थे श्रद्धांजलि समारोह में स्वल्पाहार वितरण के पश्चात मुख्य रूप से माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में श्रीयुत दिनेश केशरवानी आनंद आर्य प्रमोद आर्य मनोज केसरवानी रिटायर्ड डिप्टी एस.पी एल.पी भास्कर बुद्धूलाल नेता समाज सेवी निरंजन लाल पूर्व सभासद महेंद्र सिंह शिवशरण कनौजिया श्रीमति सपना आर्य मधुवीर सुमति बुआ संयुक्ता आर्य चाँदनी सिंह अतुल मल्होत्रा मनोज आर्य देवेन्द्र आर्य अवधेश सिंह दिलीप आर्य देवदत्त आर्य दिनेश आर्य रि०डिप्टी एस.पी शुभनारायण गौतम एस पी सिंह धर्मेंद्र मिश्रा रामसिंह पटेल इंद्रदेव आर्य विजय त्यागी अधिवक्ता समर बहादुर सरोज रामभजन त्रिपाठी मनोज कुमार केसरवानी अन्नू साहू पंकज सरोज रामखिलावन आर्य सूर्यपाल पासी धर्मनारायण फौजी अश्वनी आर्य शिवकुमार शर्मा अमित आर्य बी.एल सरोज ओम प्रकाश आर्य आशीष आर्य चंदन पासी बहादुर सरोज राजकुमार विश्वकर्मा महेंद्र कुमार छवि आर्या कुदरत अली जाफरी सहित सैकड़ों लोग थे।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के कार्यो में निरन्तर की जाये मानीटरिंगः डीएम

डीएम ने विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की किया समीक्षा

अखंड भारत संदेश

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में बोलते डीएम संजीव रंजन।

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कैम्प कार्यालय सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) एवं जनपद में एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 11 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान चलाया जाने के सम्बन्ध में बैठक कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

बैठक में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के सम्बन्ध में बताया गया कि सम्बन्धित विभागों से माइक्रोप्लान उपलब्ध करा दिया गया है जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुये कहा कि माइक्रोप्लान के तहत कार्य कराना सुनिश्चित करें और निरन्तर मानीटरिंग करते रहे, जो माइक्रोप्लान तिथिवार निर्धारित है उसके तहत कार्य कराये जाये। उन्होने निर्देशित किया कि दस्तक अभियान के तहत आंगनबाड़ी एवं आशा का प्लान बनाकर घर-घर जाकर अभियान के तहत कार्य किये जाये। उन्होंने पंचायती राज विभाग एवं नगरीय निकाय के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक गांव/वार्ड में साफ सफाई, झाड़ियों की कटाई, एन्टी लार्वा छिड़काव, फागिंग, नालों की सफाई करायी जाये। बैठक में बताया गया कि डेंगू के 07 मरीज भर्ती किये गये है जिनका ईलाज चल रहा है जिस पर जिलाधिकारी ने भर्ती मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। सीएचसी पट्टी में जलभराव के प्रकरण पर जिलाधिकारी ने प्रभारी चिकित्साधिकारी पट्टी को कड़ी फटकार लगायी और निर्देशित किया कि जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। जिलाधिकारी ने समस्त प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि दस्तक अभियान की साप्ताहिक बैठक करायी जाये और महत्वपूर्ण बिन्दुओं की जानकारी उपलब्ध कराये।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में नियमित टीकाकरण की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि बच्चों का नियमित टीकाकरण किया जाये, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इसी प्रकार बैठक में जिलाधिकारी ने आयुष्मान भारत, पोषण पुनर्वास केन्द्र, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम, आभा आई0डी0, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, जननी सुरक्षा योजना, मातृ-मृत्यु समीक्षा, यूपी हेल्थ डैसबोर्ड, परिवार कल्याण कार्यक्रम सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओ पर चर्चा की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद सहित सभी प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, अधिशासी अधिकारी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

आयुर्वेद शिविर में 125 रोगियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

भयहरणनाथ धाम में हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक।

प्रतापगढ़। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर कटरा गुलाब सिंह स्थित प्रसिद्ध पांडवकालीन भयहरणनाथ धाम में आयुर्वेद विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य एवं योग शिविर का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा त्रिभुवन राम के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में राजकीय आयुर्वेदिक चिकियसालय छितपालगढ़ के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा अवनीश पाण्डेय द्वारा बुखार, मधुमेह, ब्लडप्रेशर, त्वचा, पेट और जोड़ों की बीमारी से परेशान 125 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं वितरित की गयी।डा अवनीश ने लोगों को बदलते मौसम के कारण डेंगू, मलेरिया जैसी संक्रामक बीमारी से बचाव के उपाय भी बताये। उन्होंने बताया कि बारिश के बाद शरद ऋतु में पित्त दोष बढ़ने एवं संक्रमण से लोग डेंगू की चपेट में आ जाते हैं। आयुर्वेदिक दवाओं एवं सही खान पान से डेंगू का इलाज सम्भव है। वरिष्ठ चिकित्सक डा. भरत नायक ने दमा के मरीजों को अडूस, काली मिर्च, गुड़, मुलेठी का काढ़ा लेने की सलाह दी एवं प्रातः काल कपाल भांति, अनुलोम विलोम जैसे उपयोगी प्राणायाम के फायदे बताए। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक मृत्युंजय यादव, सतीश कुमार सिंह, रामचंद्र मौर्य, धाम के कार्यकर्ता प्रशासनिक कार्यालय प्रभारी संजीव नीरज मिश्रा प्रदीप सिंह, चंद्रभान सिंह, तेज बहादुर सिंह, छेदी यादव, सूर्यमणि दुबे कमलेश द्विवेदी उपस्थित रहे।

हड्डी के डॉ0 सचिन को दिल्ली में सम्मानित किया गया

अटल बिहारी वाजपेई इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस के दीक्षांत समारोह में हुए शामिल

अखंड भारत संदेश

डॉ. सचिन।

प्रतापगढ़। जिले के डाक्टर सोने लाल पटेल स्वशासी मेडिकल कालेज में हड्डी के सर्जन डॉक्टर सचिन कुमार को अटल बिहारी वाजपेई इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस नई दिल्ली के दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की मौजूदगी में नीती आयोग भारत सरकार के सदस्य डाक्टर विनोद कुमार पॉल ने उनको प्रशस्ति पत्र प्रदान किया है। इसकी जानकारी होने पर मेडिकल कालेज के डाक्टरों और प्रिंसिपल ने खुशी जताई है।सोमवार को भरत मंडप नई दिल्ली के सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में देश के कोने कोने से आए डाक्टरों को सम्मानित किया गया। जिसमें जिले के हड्डी के डाक्टर सचिन कुमार को भी सम्मानित होने का अवसर मिला। इस बारे में प्रिंसिपल डॉ सलिल कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि जानकर खुशी हुई है। डाक्टर सचिन का कहना है कि यह सम्मान मेडिकल कालेज का डाक्टरों का है। डाक्टर अजय शुक्ला निदेशक अटल बिहारी वाजपेई इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस नई दिल्ली ने आमंत्रण भेजा था।

हर व्यक्ति एक पेड़ अवश्य लगाएं

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। विकास क्षेत्र कालाकांकर के अंतर्गत अदलाबाद स्थित एसएनपी मेमोरियल पब्लिक स्कूल मे बच्चो ने पोस्टर पर लेख लिख कर स्वच्छता का संदेश दिया और विद्यालय परिसर अगल बगल रोड पर बच्चो व अध्यापकों ने साफ सफाई किया। स्वच्छता अभियान प्रभारी निश्चल मिश्रा ने बताया कि अगर पृथ्वी पर पेड़ नही है तो जीवन भी असम्भव है इसलिए हर व्यक्ति को एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए। इस मौके प्रधानाध्यापक सीमा पाण्डेय, नैंसी विश्वकर्मा, नेहा साहू, काजल गुप्ता, वृषा मिश्रा, रजनी मिश्रा, विषा तिवारी, धर्मेश पटेल, रजत तिवारी आदि शिक्षक व बच्चे मौजूद रहे।

राजकीय सेवा लेखाकार की सेवानिवृत होने पर दी गई विदाई

ब्लाक मुख्यालय के सभागार कक्ष में संपन्न हुआ कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

विदाई समारोह में मौजूद लेखाकार व समस्त स्टाफ।

परियावां, प्रतापगढ़। ब्लाक मुख्यालय कालाकांकर में मंगलवार को राजकीय सेवा लेखाकार की विदाई समारोह ब्लाक के समस्त स्टाफ व सफाई कर्मियों व ग्राम प्रधानों ने संपन्न किया। विदाई समारोह में ब्लाक मुख्यालय में 13 जून 2022 को कुंडा से स्थानांतरण होकर आए राजकीय सेवा लेखाकार श्रीनाथ प्रजापति के 30 सितंबर 24 को सेवानिवृत होने पर मंगलवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

स्टाफ व सफाई कर्मियों की तरफ से सेवानिवृत श्रीनाथ प्रजापति को अंगवस्त्र के साथ विभिन्न तरह के उपहार भेंट किए गए। विदाई समारोह के दौरान मंच पर आसीन ब्लाक प्रमुख कालाकांकर रमेश सरोज व खंड विकास अधिकारी कालाकांकर प्रवीन कुमार श्रीवास्तव व सभागार कक्ष में मौजूद सभी की आखें नम होती दिखाई दी। कार्यक्रम का संचालन ग्राम पंचायत मंत्री अनुराग यादव व मंदीप कुमार ने किया। इस मौके पर ग्राम पंचायत सचिव ब्यास कुमार मौर्य, आर पी यादव, विजय कुमार, अभिषेक शुक्ल, उर्मिला, ज्योति, एडीओ पंचायत सहायक प्रभारी सुशील कुमार जायसवाल ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि एव लवाना ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रमेश कुमार सिंह, सुनील कुमार सिंह, तालुकदार सिंह, जोखू यादव, बब्लू यादव, पप्पू चुड़िहार, शरद लाला, सजीव सिंह, विकास सोनकर आदि मौजूद रहे।

घर में घुसकर हजारों के जेवरात व सामान उड़ा ले गये चोर

लालगंज, प्रतापगढ़। घर में घुसकर अज्ञात चोर हजारों के जेवरात व घरेलू कीमती सामान उड़ा ले गये। घटना को लेकर पीडित ने सोमवार को पुलिस को तहरीर दी है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के तारापुर गांव निवासी बाल मुकुन्द सिंह के घर में रविवार की रात परिवार के लोग सो रहे थे। इसी दौरान चोर घर में घुस आये और घर में रखी आलमारी, बक्सों का ताला तोडकर उसमे रखे सोने चांदी के हजारों के आभूषण तथा कीमती घरेलू सामान उड़ा ले गये। सोमवार सुबह घर के लोग सोकर उठे तो सामान बिखरा देख आवाक रह गये। पीडित ने अज्ञात चोरों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। एसओ मनीष तिवारी का कहना है कि चोरी की घटना की जांच की जा रही है, जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

ससुरालियों पर विवाहिता ने प्रताड़ना का लगाया आरोप, शिकायत पुलिस

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। आसपुर देवसरा थाने के सिरनाथपुर गांव निवासी विवाहिता ने अपने जेठ सहित अन्य पर दहेज के लिए प्रताडित करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव निवासी सुमन पत्नी स्व0 सनुज कुमार ने आसपुर देवसरा थाने पर तहरीर देकर आरोपित किया है कि उसकी शादी सनुज कुमार पुत्र रामसुन्दर के साथ 26 नवंबर 2020 को हुई थी।

शादी के कुछ महीने बाद से ही उसको जेठ, जेठानी व सास सहित अन्य लोग उसके साथ गाली गलौज करने के साथ प्रताडित करने लगे। जब उसने यह बात अपने मायके वालों को बताई तो पंचायत द्वारा मामले को दबा दिया गया, लेकिन फिर उसकी पिटाई करने के साथ जिंदा जलाने की धमकी दी गई। साथ ही आरोपित किया है कि जब मैं अपने मायके गई हुई थी 8 सिंतबर 2024 को उसके पति की मृत्यु हो गई। जिसकी सूचना भी उसके ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा नहीं दी गई। उसे आशंका है कि उसके पति को कुछ खिलाकर उसकी हत्या कर दी गई। महिला ने तहरीर देकर मामले की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है।

पानी की टंकी अचानक ताश के पत्तों की तरह भरभरा कर ढही

अखंड भारत संदेश

जल जीवन मिशन के तहत हो रहा था निर्माण

पट्टी, प्रतापगढ़। अचानक जल मिशन संस्था पानी की टंकी भर भर कर जमी दोज हो गई आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर आए। गालीमत रहा की रात का समय होने के कारण पानी के टंकी के आसपास कोई भी मौजूद नहीं था नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।

पट्टी तहसील क्षेत्र के कंजा सराय गुलामी गांव में जल मिशन कार्यवाही संस्था द्वारा पानी की टंकी का निर्माण किया गया था जिसकी लागत 3 करोड़ 9 लाख 80 हजार रुपए आपके बोर्ड लगाए गया हैं एक बोर्ड भी लगाया गया है जिसमें एक वर्ष पूर्व संपूर्ण बना हुआ दिखाया गया जो वर्तमान में अभी कार्य प्रगति पर है। एक वर्ष के अंदर सोमवार की देर रात अचानक टंकी का आधा हिस्सा भर भर कर गिर गया आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर आए और देखा कि पेय जल के लिए बनाई गई टंकी गिर गई।

ग्रामीणों ने इसकी सूचना ग्राम प्रधान पति आनंद शुक्ला को दी उन्होंने मौके पर आए और मामले की जानकारी संबंधित लोगों को दी। ग्रामीणों का आरोप है कि घटिया सामग्री से निर्माण हुआ था जिसकी वजह से यह हादसा हुआ है। संजोग था कि रात का समय होने के कारण वहां पर कोई मौजूद नहीं था नहीं तो बड़ा हादसा होने से इनकार नहीं किया जा सकता था। ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट करते हुए ऐसे भ्रष्ट ठेकेदार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। और टंकी का आधा भाग गिरा है आधा एक तरफ झुका है वही ग्रामीण का कहना है कि आसपास घर भी है अगर घर के ऊपर गिरता है तो बड़ा हादसा हो सकता है। फिलहाल सूचना मिलते ही मौके पर संबंधित अधिकारी और ठेकेदारमौके पर पहुंचे हुए हैं।

समीक्षा बैठक में बोलते जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव।

भाजपा कार्यकर्ताओं की सक्रियता से प्रतापगढ़ आया प्रथमः आशीष

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय पर सदस्यता अभियान 2024 की एक समीक्षा बैठक प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ होने के उपरांत काशी क्षेत्र में जनपद प्रतापगढ़ के प्रथम स्थान आने पर भाजपाईयों ने खुशी जताई। इसे लेकर भाजपाईयों की बैठक भाजपा कार्यालय पर हुई। बैठक में जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर सदस्यता अभियान को गति प्रदान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की बदौलत प्रतापगढ़ सदस्यता अभियान में प्रथम आया।

हिन्दी सेवी सम्मान से नवाजे गये शिवशंकर, जतायी गयी खुशी

लालगंज, प्रतापगढ़। हिन्दी पखवाड़ा के तहत क्षेत्र के वरिष्ठ साहित्यकार एवं समाजसेवी शिवशंकर तिवारी सोहगौरा को हिन्दी सेवी सम्मान मिलने पर यहां साहित्यकारों ने खुशी जतायी। प्रेरणा हिन्दी प्रचारिणी सभा द्वारा नई दिल्ली में हिन्दी राष्ट्रभाषा अभियान के तहत संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. लाल सिंह तथा संस्थापक कवि संगम त्रिपाठी एवं राष्ट्रीय महासचिव प्रदीप मिश्र अजनबी ने शिवशंकर सोहगौरा को प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मान की जानकारी मिलने पर सोमवार को यहां साहित्यकारों ने बैठक कर खुशी जतायी। इस मौके पर डॉ. अनुज नागेन्द्र, डॉ. बच्चाबाबू वर्मा, हिन्दी मित्र संघ के संयोजक ज्ञानप्रकाश शुक्ल, अखिलेश मिश्र, अंजनी अमोघ, अनिल त्रिपाठी महेश, अनूप त्रिपाठी आदि ने नई दिल्ली में साहित्यकार के सम्मान को गौरवपूर्ण कहा।

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर बांटे गये फल व वस्त्र

वृद्धजनों को फल व वस्त्र वितरित करते सदर विधायक।

प्रतापगढ़। महुली बाजार स्थित वृद्ध आश्रम में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर सदर विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य, एडीजे सुमित पवार, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सभासद दीपक कुमार, संस्था प्रबंधक जगदंबिका प्रसाद, अभिषेक वैश्य, राहुल मौर्य मौजूद रहे एवं चिकित्सा विभाग के चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य प्रशिक्षण किया गया। तत्पश्चात सभी वृद्धजनों को फल एवं वस्त्र वितरित किया गया।

विधान परिषद सदस्य ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

अखंड भारत संदेश

विधान परिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरी को स्मृति चिन्ह देते एसपी।

प्रतापगढ़। सभापति, संसदीय अध्ययन समिति एवं सदस्य विधान परिषद सुरेंद्र चैधरी द्वारा विकास भवन में संसदीय अध्ययन समिति की समीक्षा बैठक हुई।

इस दौरान जिलाधिकारी संजीव रंजन व पुलिस अधीक्षक डॉ0 अनिल कुमार द्वारा अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। समीक्षा बैठक में सभापति सुरेन्द्र चैधरी ने अधिकारियों के साथ बैठक की और सरकार की योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान विकास कार्यों के बारे में अधिकारियों से पूछताछ की। समीक्षा बैठक में जिले की कानून व्यवस्था को देखकर जिले के आला अफसर के ऊपर खुश एवं प्रसन्न नजर आए।

लूट के प्रयास में पांच अज्ञात के खिलाफ केस, छानबीन में मशक्कत कर रही खाकी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली के खैरा पूरे छेमी में लूट के प्रयास को लेकर पुलिस ने पांच अज्ञात आरोपियो के खिलाफ गंभीर धाराओ मे केस दर्ज किया है। वही घटना के खुलासे को लेकर तीसरे दिन सोमवार को भी पुलिस के हाथ खाली दिखे।

घटना की गंभीरता को लेकर एएसपी पश्चिमी तथा सीओ लालगंज स्वयं मानीटरिंग में बताए जाते है। वही जिले की एसओजी टीम को भी कोतवाली मुख्यालय तथा क्षेत्र में बदमाशों की सुरागरशी में मशक्कत करते देखा गया। गांव के स्वर्गीय रामनाथ के पुत्र श्रीपाल पटेल ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि अटठाईस सितंबर की रात वह घर के बाहर लेटा था। रात करीब बारह बजे पांच नकाबपोश बदमाशों के घर के अंदर दाखिल होने की सुगमुगाहट हुई। पीडित ने बदमाशों की आहट सुन अपने बेटे उमेश को जगाया। बदमाश घर के अंदर भुसौले वाले कमरे मे दिखायी पड़े। पीडित के बेटे ने शोर मचाया तो आसपास के लोग घर के सामने एकत्रित हो गये। बदमाशों ने शोर मचाने पर उसके बेटे को भी गोली मार दी। गांव के सुरेश पुत्र तुलसी व रामदीन प्रजापति पुत्र बिन्दादीन ने बदमाशों को रोकने का प्रयास किया तो बदमाशो ने सुरेश के सिर पर कटटे से हमला कर दिया। बदमाशो की फायरिंग में रामदीन प्रजापति भी घायल हो गया।

बदमाशो की गोलीबारी में तीनों घायलों का जिला अस्पताल मे इलाज जारी है। असलहे से लैस बदमाशो के द्वारा लूट के प्रयास की घटना इलाके में सोमवार को भी सरगर्मी में दिखी। सूत्रों के मुताबिक पुलिस आधा दर्जन संदिग्धों को हिरासत मे लेकर पूछताछ में जुटी हुई है। वहीं घटना से गांव में सोमवार को भी दहशत का माहौल दिखा। रविवार की रात भी आशंकित ग्रामीण रतजगा करते दिखे। पुलिस बदमाशों की धरपकड़ के लिए दिनरात दबिश में भी मशक्कत कर रही है। घटना को लेकर रविवार की सुबह जिले के अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी संजय राय तथा सीओ रामसूरत सोनकर ने भी गांव पहुंचकर ग्रामीणों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियो को धर दबोचा जाएगा।

पखवारे भर पहले अपहृत किशोरी का नही लगा सुराग

रायपुर चौराहे से उठा ले गए थे दबंग, एसपी से मां ने लगाई न्याय की गुहार

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। पखवारे भर पहले अपहृत किशोरी का कोई सुराग नहीं लग सका। कुछ दबंग रायपुर चैराहे से मां के सामने उठा ले गए। पीड़िता ने मामले की शिकायत एसपी से करके न्याय की गुहार लगाई है। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र की एक महिला ने एसपी को तहरीर देकर आरोप लगाई है कि उसकी पुत्री राजकीय बालगृह बालिका प्रयागराज में निरुद्ध थी। उसकी तबियत खराब चल रही थी। न्यायालय के आदेश पर वह घर आई थी। 16 सितंबर को पीड़िता रानीगंज कैथौला बाजार दवा लेने जा रही थी, जैसे ही वह रायपुर चैराहे के पास पहुंची कि वासूपुर पौड़िया निवासी एक युवक अपने भाई व पिता के साथ आया और मां को धक्का देकर किशोरी को कार पर बैठकर उठा ले गए। आरोपी युवक के विरुद्ध पहले से ही उक्त मामले में मुकदमा पंजीकृत है। आरोपित युवक मुकदमें में समझौते को लेकर दबाव बना रहा था। पीड़िता का यह भी आरोप है कि वह मामले कोतवाली पुलिस से फरियाद लगाई थी लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। न्याय की आस को लेकर पीड़िता ने एसपी से गुहार लगाते हुए किसी बड़ी अनहोनी की आशंका जताई है। वहीं पखवारे भर बीत जानें के बाद भी अपहृत किशोरी का कोई भी पता नहीं लग सका है। पुलिस की लापरवाही के चलते पीड़ित परिवार सहमा दिखाई दे रहा है।

विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियान रैली को हरी झण्डी दिखाकर डीएम ने किया रवाना

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियान जनजागरूकता रैली को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह रैली कलेक्ट्रेट परिसर से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मंझनपुर तक निकाली गयी। रैली में बेसिक शिक्षा विभाग की छात्र-छात्राओं, माध्यमिक शिक्षा विभाग की छात्र-छात्राओं एवं आशा कार्यकर्ती आदि सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संजय कुमार एवं जिला मलेरिया अधिकारी डॉ0 अनुपमा मिश्रा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें जनपद में विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियान 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2024 तक संचालित किया जायेगा, जिसके अन्तर्गत जनपदवासियों को मच्छरों एवं संक्रामक रोगों से बचाव के उपायों के विषय में जागरूक किया जायेगा। स्वस्थ्य व्यवहार अपनाना है, संचारी रोगों को हराना हैहह। मच्छरों से बचाव के लिए दरवाजों व खिड़कियों पर जाली लगवानें, नियमित मच्छरदानी का प्रयोग करनें, मच्छररोधी उपाय अपनाने, अनुपयोगी वस्तुओं में पानी इकट्ठा न होने देंने, पानी की टंकी पूरी तरह से ढक कर रखनें, पूरी बाँह वाली कमीज पैन्ट और मोजे पहनें, घर और कार्य स्थल के आस-पास पानी जमा न होने देने, कूलर व गमलों आदि को सप्ताह में खाली कर सुखाने एवं गड्ढों में जहाँ पानी इकट्ठा हो, उसे मिट्टी से भर देंने आदि के प्रति जागरूक किया जायेगा। इसी प्रकार संक्रामक रोगों से बचाव के लिए नालियों में जल जमाव रोंकने एवं नियमित सफाई करने, जानवर बाड़े घर से दूर रखने, जंगली झाड़ियों को नियमित साफ करने, चूहे-छछूंदरों से बचनें, पीने के लिए इण्डिया मार्का के पानी का प्रयोग करने, खाने से पहले साबुन से हाँथ धोनें, खुले में शौच न करने तथा नियमित शौचालय का प्रयोग करने आदि के प्रति जागरूक किया जायेगा।

जिलाधिकारी ने की जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-कड़ा, मंझनपुर एवं चायल में टीकाकरण की प्रगति कम पाये जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में परिवार कल्याण कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारियों से कहा कि कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने एएनसी रजिस्ट्रेशन की समीक्षा के दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारियों को गर्भवती महिलाओं की एएनसी चेकअप पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दियें। आशा एवं एएनएम के साथ नियमित रूप से बैठक कर टीकाकरण की प्रगति की समीक्षा की जाय तथा आशा एवं एएनएम के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाय कि वे अपने बच्चों को टीका अवश्य लगवायें। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-कड़ा, मंझनपुर एवं चायल में टीकाकरण की प्रगति कम पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए नोडल अधिकारी कड़ा, मंझनपुर एवं चायल को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दियें। जिलाधिकारी द्वारा मातृ मृत्यु सूचना एवं आडिट की समीक्षा के दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं नोडल अधिकारी सिराथू द्वारा मातृ मृत्यु ऑडिट की सही जानकारी न दिये जाने पर जिलाधिकारी ने दोनो अधिकारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि दिये जाने के निर्देश दियें। किसी भी हॉल में मातृ मृत्यु न होने पाये,जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान कहा कि प्रसूता को निर्धारित समयावधि 48 घण्टें तक अस्पताल में रोका जाय तथा लाभार्थियों को दी जाने वाली भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाय। आभा आईडी की समीक्षा के दौरान जनरेशन में धीमी प्रगति पाये जाने पर जिलाधिकारी ने असंतोष व्यक्त करते हुए माह-अक्टूबर तक आभा आईडी के जनरेशन की प्रगति बढ़ाये जाने के निर्देश दियें। उन्हांने कहा कि संघर्षशील आशा को चिन्हित कर उन्हें ट्रेनिंग देकर निपुण बनाने का कार्य करें। आयुष्मान भारत योजना के तहत माह-सितम्बर 2024 तक 691084 लक्ष्य के सापेक्ष अब तक कुल 528484 गोल्डेन कार्ड बनाये जा चुकें हैं, जिस पर जिलाधिकारी ने गोल्डेन कार्ड बनाये जाने की प्रगति में और तेजी लाये जाने के निर्देश दिये। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिला चिकित्सालय तथा सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रत्येक माह की 01, 09, 16 एवं 24 तारीख को हाईरिस्क चिहिन्त गर्भवती महिलाओं को घर से अस्पताल तक लाने की परिवहन सुविधा उपलब्ध करायी जाती है। राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय अन्धता निवारण कार्यक्रम, पुनरीक्षित क्षय रोग नियन्त्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ रोग कार्यक्रम आदि की भी विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दियें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव, सीएमओ डॉ0 संजय कुमार एवं सीएमएस सुनील कुमार शुक्ला सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सरकारी हैंड पंप पर पानी भरने गए किसान का तोड़ दिया हाथ

25 दिन बीते पुलिस ने मुकदमा लिखकर के हमलावरों को नहीं भेजा जेल

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के काकराबाद गांव में 6 सितंबर की सुबह 7:00 बजे शर्मिला देवी पत्नी विनोद कुमार सरकारी हैंड पंप में पानी भरने गई थी जहां है सरकारी हैंड पंप को अपनी जागीर समझने वाले कल्लू राम दिवाकर ने हैंड पंप पर समरसेबल मोटर डाल दिया उसमें कब्जा जमा लिया है पानी भरने गई शर्मिला देवी को पानी भरने से मना किया जब वह नहीं मानी तो कल्लू राम दिवाकर ने महिला को लाठियो से पीट दिया महिला को नालियों में पटक करके बेरहमी से मारा पीटा चीख पुकार सुनकर उसका पति विनोद भी मौके पर पहुंचा जिस पर महिला के पति को भी लाठियो से पीटा गया वह जान बचाकर घर के भीतर घुस गया तो आरोपी कल्लू राम अमित और पत्नी बबीता नीता बबली मनीता निशु आदि महिलाओ ने लाठी निकाल कर के विनोद के घर में घुसकर उसे पीटा हो हल्ला सुनकर के आसपास के लोगों इकठ्ठा हो गए बीच बचाव किया मामले की सूचना 112 नंबर पुलिस को दी गई मौके पर जब पुलिस पहुंची तो हमला वरों ने धमकी दिया कि मेरे घर के सामने लगे सरकारी हैंड पंप पर दोबारा पानी भरने आई तो जान से मार देंगे महिला ने बताया कि उसके पिता की भी हत्या कर चुके हैं मामले की सूचना पुलिस को दी गयी इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया कई दिनों तक अस्पताल में इलाज चला महिला के पति के हाथ की उंगलियां टूट गई जिसकी चिकित्सकों ने पुष्टि भी की लेकिन घटना को धीरे-धीरे 25 दिन बीत चुके हैं थाना से लेकर पुलिस अधीक्षक तक पीड़ित महिला ने शिकायती पत्र दिया लेकिन ना तो मुकदमा दर्ज हुआ और ना ही हमला करने वालों की गिरफ्तारी हुई सरकारी हैंड पंप पर कब्जा करने के मामले में ग्राम पंचायत से लेकर विकास भवन तक के अधिकारियों ने सरकारी संपत्ति बचाने का प्रयास नहीं किया है सवाल उठता है कि सरकारी हैंड पंप में कैसे समरसेबल मोटर लगा करके दबंग ने कब्जा कर लिया है सरकारी हैंड पंप में मोटर लगाकर कब्जा किए जाने के बाद ग्राम प्रधान से लेकर के पंचायत सचिव की भूमिका पर सवाल खड़े हो गए हैं गांव के लोगों ने सरकारी हैंड पंप कब्जा करने वालों पर मुकदमा दर्ज कराकर सरकारी हैंडपंप को कब्जा मुक्त कराए जाने और हैंड पंप में कब्जा करने वाले दबंग की गिरफ्तारी कराए जाने की मांग की है ।

कौशांबी के व्यापारियों ने अपने हितों की रक्षा के लिए भरी हुंकार

अखंड भारत संदेश

प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने व्यापारियों को अपने मान सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए एकजुट होने का किया आवाहन, व्यापारियों के अंदर सरकार को बनाने और बिगाड़ने की अद्भुत क्षमता है : संजय गुप्ता

कौशाम्बी। देश और प्रदेश की सरकार के खजाने के भरने का काम व्यापारी करता है एक अक्टूबर मंगलवार को कोखराज क्षेत्र के कश्यप रिसोर्ट में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के तत्वाधान में देर शाम व्यापारी पंचायत का आयोजन हुआ व्यापारी पंचायत में कौशांबी की विभिन्न बाजारों के व्यापारी भारी संख्या में शामिल हुए तथा व्यापारी पंचायत को मुख्य वक्ता के रूप में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने संबोधित किया व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने व्यापारी पंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि व्यापारियों को अपनी ताकत पहचाननी होगी व्यापारियों के अंदर अद्भुत क्षमता है व्यापारियों के अंदर सरकार को बनाने और बिगाड़ने की क्षमता है। व्यापारी सरकार के खजाने को भरने का काम ब्यापारी करता है व्यापारियो को राजनीतिक रूप से भी अपने आप को मजबूत बनाना होगा उन्होंने कहा कि व्यापारियों के उत्पीड़न को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा कौशांबी के जिला अध्यक्ष संजय जायसवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि व्यापारियों को सम्मिलित होना होगा संगठन में शक्ति है प्रयागराज के जिला अध्यक्ष रमेश केसरवानी ने भी व्यापारी पंचायत को संबोधित किया तथा व्यापारियों के हर समस्या में कंधे से कंधा मिलाकर चलने का भरोसा दिलाया कार्यक्रम का संचालन कौशांबी प्रभारी शिव बाबू वर्मा, जिला अध्यक्ष कौशांबी संजय जयसवाल, डॉक्टरसाकेत चतुर्वेदी, प्रदेशसंयुक्त मंत्री, मनीष पांडे संगठन मंत्री, अविरूद निगम वरिष्ठ संगठन मंत्री, संयुक्त मंत्री मुन्ना यादव हेलो संतोष केसरवानी संदीप वर्मा आशीष कुमार, अभिषेक जायसवाल, मोहम्मद यासीन प्रयागराज, देवेंद्र कुमार पप्पू सोनी, ज्ञान मनोरी, रामचंद्र, कपिल जैसवाल, प्रदीप जायसवाल, के अलावा कौशांबी जिले के तमाम व्यापारी इस पंचायत में शामिल हुए प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने जिला अध्यक्ष संजय जयसवाल की अनुमति पर अभिषेक जायसवाल को जिला महामंत्री कौशांबी संतोष केसरवानी को कौशांबी जिला का वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद की घोषणा किया दोनों पदाधिकारी को बनाए जाने पर व्यापारियों ने स्वागत किया।

हेलो किड्स भरवारी में गांधी जयंती पर भव्य रैली का आयोजन

अखंड भारत संदेश

सीमा पवार ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों के माध्यम से गांधी जी के सिद्धांतों को जीवंत होते देखना वास्तव में गर्व की बात है

कौशाम्बी। केपीएस भरवारी के हेलो किड्स में गांधी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों द्वारा निकाली गई विशेष रैली ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। महात्मा गांधी की वेशभूषा में सजकर नन्हे-मुन्ने बच्चों ने गांधी जी के सिद्धांतों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। छोटे-छोटे बच्चों की रैली ने न केवल विद्यालय परिसर बल्कि पूरे इलाके में उत्साह का माहौल बना दिया। रैली में शामिल बच्चों ने पोस्टर और बैनरों के माध्यम से महात्मा गांधी के विचारों को दशार्या। ₹सत्य और अहिंसा₹ जैसे नारों के साथ बच्चे उत्साहपूर्वक रैली में भाग ले रहे थे। बच्चों के हाथों में 'स्वच्छता,' 'सत्य पर चलो,' 'अहिंसा अपनाओ' जैसे संदेश लिखे हुए पोस्टर थे, जो गांधी जी के विचारों को सरल और प्रभावी तरीके से प्रस्तुत कर रहे थे। रैली का मुख्य आकर्षण था बच्चों की मासूमियत के साथ गांधी जी की पोशाक में उनका प्रदर्शन, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया रैली का उद्देश्य केवल गांधी जी के विचारों को बच्चों में जगाना नहीं था, बल्कि समाज के हर व्यक्ति तक उनके आदर्शों को पहुंचाना भी था। इस आयोजन ने एक बार फिर से हमें अहिंसा सत्य और स्वच्छता की प्रासंगिकता का एहसास कराया। रैली के बाद विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों ने महात्मा गांधी के जीवन और उनके सिद्धांतों पर आधारित नाटक प्रस्तुत किया। इस नाटक में गांधी जी के जीवन के विभिन्न पहलुओं को चित्रित किया गया और खासतौर पर उनके तीन बंदरों के विचार बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो, और बुरा मत कहो'को बहुत ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया। बच्चों के भाषणों ने भी गांधी जी के आदर्शों पर गहरा प्रभाव डाला, जिसमें उन्होंने अहिंसा, सत्य और नैतिकता के महत्व को रेखांकित किया। विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती सीमा पवार ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों के माध्यम से गांधी जी के सिद्धांतों को जीवंत होते देखना वास्तव में गर्व की बात है। ऐसे आयोजनों से बच्चों में न केवल नैतिक मूल्य विकसित होते हैं, बल्कि वे समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को भी समझने लगते हैं विद्यालय के इस विशेष आयोजन ने न केवल बच्चों बल्कि सभी अभिभावकों और शिक्षकों को भी गांधी जी के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी। इस दौरान इशिका माही दिव्या, अनामिका आदि शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

गांधी जयंती के मौके पर किसान कांग्रेस करेगी भव्य कार्यक्रम

कौशांबी। किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अजीत कुमार कुशवाहा ने बताया कि गांधी जयंती के मौके पर 10:00 बजे मोसम्मी लाल गेस्ट हाउस काशिया पश्चिम हनुमान मंदिर के सामने भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जनपद के सभी किसान व सेकुलर विचारधारा वाले जनपद वासियों को कांग्रेस किसान संगठन ने कार्यक्रम में पहुँचने के लिए आवाहन किया है गांधी जयंती के मौके पर कांग्रेस किसान संगठन द्वारा सामाजिक समस्याओं व किसानों से संबंधित समस्याओं तथा राजनीतिक स्थिति व किसानों की भागीदारी और सरकार द्वारा क्रियान्वयन से होने वाली समस्याओं पर चर्चा की जाएगी तथा किसानों की मांगों व सामाजिक समस्याओं को दूर करने हेतु मौजूदा सरकार को अवगत कराया जाएगा।

कांग्रेस द्वारा गांधी जयंती पर ब्लॉक में संगोष्ठी एवं दलित बस्ती में पुष्पांजलि सहभोज का आयोजन

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर व जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में कौशांबी जिले के कार्यकर्ता 2 अक्टूबर के दिन अपने महान नेता की याद में पदाधिकारी ब्लॉक अध्यक्ष न्याय पंचायत अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष व सभी सम्मानित कार्यकताओं द्वारा सभी ब्लॉक में संगोष्ठी सभा एवं दलित बस्ती में जाकर पुष्पांजलि अर्पित कर सहभोज आदि कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री एवं प्रसिद्ध स्वाधीनता संग्राम सेनानी व पूर्व सांसद मसूरिया दिन पासी की जयंती पर प्रातः 7:00 बजे सभी ब्लॉकों में गांधी टोपी पहनकर कांग्रेस पार्टी ध्वज के साथ कम से कम 2 किलोमीटर प्रभात फेरी का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा प्रभात फेरी का समापन गांधीजी एवं किन्हीं महान पुरुष की प्रतिमा के सामने समापन होगा।

व्यवसायिक शिक्षण के साथ प्राकृतिक प्रशिक्षण भी जरूरी

कौशाम्बी। जन शिक्षण संस्थान के निर्देश मे स्वच्छता अभियान के अंतर्गत आलमचंद में वृक्षारोपण का आयोजन हुआ जिसके माध्यम से देश के नवयुवक नवयुवतियों को जो कि देश के भविष्यात्मक पहलू है उन्हें कुशल और आत्मनिर्भर बनाने के साथ साथ प्रकृति के रक्षक बनने का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा हैसंस्थान के निदेशक विजयेंद्र मिश्रा ने कार्यक्रम का मूल्यांकन किया जिसमे सभी छात्र एवम छात्राओं ने सकारात्मक भूमिका निभाई उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम अपनी जन्म देने वाली माता के ऋणी होते है ठीक उसी प्रकार हम इस प्रकृति के जिसकी गोद में हम अपना पूरा जीवन जीते है इसके भी उतने ही ऋणी होते है जिसके परिणामस्वरूप इस कार्यक्रम की भावनात्मक प्रेरणा से सभी बच्चो ने संस्थान के अधिकारियों के साथ अपने अपने हाथों से एक एक पेड़ लगाकर प्राकृतिक परिवेश को दूषित होने से बचाने और इसे स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प सुनिश्चित किया नवीन तकनीक के द्वारा वे प्रकृति के रक्षक बन सकते हैं इसके बारे में पूरे विस्तार से जानकारी प्रदान की गई संस्थान की अनुदेशिका शिल्पी गुप्ता कार्यक्रम अधिकारी संजय सिंह, संस्थान के (उ.ड.) अनुराग तिवारी फील्ड ऑफिसर राजू शुक्ला उप कार्यक्रम अधिकारी सतीश चंद्र विमला मुस्कान, ममता आरती, सरिता, नेहा , राधिका, मोनिका, गुड़िया, मांशी, ललिता, पूनम, सीमा, सविता, कांची गुप्ता, अपूर्वा गौतम, आदि रहे।

चौकी इंचार्ज की प्रताड़ना से प्रताड़ित युवक ने किया आत्महत्या

एक बार फिर ब्रिटिश साम्राज्य के आतंक की याद ताजा हो गई है,

घटना को 24 घंटे बीत जाने के बाद दोषी पुलिस जनों पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई नहीं हुई

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के शमसाबाद चौकी इंचार्ज की प्रताड़ना से त्रस्त एक युवक ने आत्महत्या कर लिया है पुलिस चौकी पर बिठाकर प्रताड़ित करने का आरोप लगा है,पुलिस चौकी में प्रताड़ित किए गए युवक ने घर पहुंचते ही कमरे में फांसी लगा ली,जिसके बाद युवक की मौत हो गई युवक की मौत से जहा एक ओर परिजनो में कोहराम मच गया वही पुलिस चौकी में तैनात पुलिसकर्मियों के हाथ पांव फूल गए,आनन फानन में पुलिस ने रात में ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया खबर लिखे जाने तक दोषी चौकी इंचार्ज और पुलिसकर्मियों को दंडित नहीं किया गया है पुलिस प्रतावना से पीड़ित युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने का यह मामला बेहद गंभीर है और पुलिस अधिकारियों को निष्पक्ष जांच कर दोषियों को दंडित किए जाने की जरूरत है जानकारी के मुताबिक मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के शमशाबाद पुलिस चौकी इलाके के शमसाबाद गांव निवासी वेद प्रकाश उम्र 28 वर्ष पुत्र दयाराम पर गांव की किसी लड़की का आपत्तिजनक वीडियो बनाने के मामले में शमशाबाद चौकी पुलिस सोमवार को युवक को चौकी पकड़ ले गयी एक बार तो पुलिस ने उसे छोड़ दिया,आरोप है कि उसके बाद उसे दोबारा पुलिस पकड़ कर ले गयी और जमकर प्रताड़ित किया जिसके बाद वह जैसे ही पुलिस चौकी से छूटकर घर पहुंचा उसने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।इसकी जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया है। घटना के समय बकरी चराने खेतों की ओर गया पिता लौटकर आया तो घर का दरवाजा भीतर से बंद मिला। पड़ोसी की छत से झांक कर देखा तो बेटे की लाश फंदे पर लटकती देख चीख पड़ा। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से उतारा। सूचना मिलने पर पहुंची स्थानीय पुलिस के युवक की आत्महत्या किए जाने पर हाथ पांव फूल गए,पुलिस ने दबाव बनाकर रात में ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया पुलिस की प्रताड़ना के बाद आत्महत्या किए जाने के इस मामले में घटना को 24 घंटे बीत जाने के बाद दोषी पुलिस जनों पर मुकदमा दर्ज करके उन पर कार्रवाई नहीं हुई है चचाओं पर जाए तो वसूली के लिए युवक को प्रताड़ित किया गया है एक बार फिर ब्रिटिश साम्राज्य के आतंक की याद ताजा हो गई है जो गम्भीर चिंता का विषय है।

दागी थानेदारों के हवाले कानून व्यवस्था, कैसे कायम होगा अमन चैन कैसे मिलेगा फरियादियों को न्याय

कौशांबी। जिले के थानों की कमल दागी थानेदारों को सौप करके कौशांबी की कानून व्यवस्था चलाई जा रही है दागी थानेदारों के हवाले कानून व्यवस्था की कमान से न्याय व्यवस्था पंगु हो गई है पीड़ित परिवार न्याय के लिए दर-दर भटक रहे हैं एक अधिकारी से दूसरे अधिकारी को शिकायती पत्र देने के बाद भी पीड़ितों को न्याय नहीं मिल रहा है गंभीर मुकदमे में वाँछित दागी थानेदार मनमानी करने से बाज नहीं आते हैं जिससे पीड़ित परेशान हैं दागी थानेदारों की स्थिति इतनी खराब है कि वह पुलिस अधीक्षक समेत अन्य पुलिस अधिकारियों के आदेशों का पालन करने के बजाय मनमानी पूर्ण कानून व्यवस्था चलाने पर लगे हैं धन की लालच में हमला करने वाले अपराध में लिप्त लोगों से धन वसूली कर उन्हें संरक्षण देते हैं और झूठी रिपोर्ट अधिकारियों को देकर के वहां वाही लूटने हैं जिससे अपराधी मौज कर रहे है कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ रही हैं संगठित अपराध तेजी से फल फूल रहा है जिससे दागी थानेदारों के क्षेत्र में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है आम जनता न्याय के लिए भटक रही है बताया जाता है कि एसओजी प्रभारी पर अपहरण कर हत्याकांड मुकदमा दर्ज है तो पिपरी थानेदार पर दलित के घर में घुसकर मारपीट सहित गंभीर धारा में मुकदमा दर्ज है तो मंझनपुर कोतवाल पर पॉक्सो एक्ट के मामले को लेकर अदालत के निर्देश पर गंभीर धारा में मुकदमा दर्ज है बताया जाता है कि जिले के अन्य कई पुलिस कर्मियों पर भी गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज है पुलिस महानिदेशक का स्पष्ट निर्देश है कि दागी पुलिसकर्मियों को थाने की कमान ना सौपा जाए लेकिन उसके बाद कौशांबी में दागी पुलिस कर्मियों को थाने की कमान सौप कर अमन चैन कानून व्यवस्था की उम्मीद लगाई जाती है लेकिन दागी थानेदारों से अमन चैन कानून व्यवस्था की उम्मीद टूट चुकी है और आम जनता बढ़ते अपराध अत्याचार से भयभीत है।

न्यूज झरोखा

रबी की फसल की बुआई से पूर्व नहरों की सिल्ट सफाई कर टेल तक पहुँचाये पानी : डीएम

जिलाधिकारी ने पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों का शीघ्रातिशीघ्र मरम्मत कार्य कराकर ठीक कराये जाने के दिये निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष में सिंचाई/जल निगम/ नलकूप विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने नहरों में टेल तक पानी पहुँचाने, बाढ़ की अद्यतन स्थिति एवं रबी की बुआई से पूर्व सिल्ट सफाई के बारे में जानकारी प्राप्त की, जिस पर अधिशासी अभियंता सिंचाई द्वारा बताया गया कि नहरों को टेल फीड करा दिया गया है। जनपद में बाढ़ की कोई समस्या नहीं है। जिलाधिकारी ने रबी की फसल की बुआई से पूर्व नहरों की सिल्ट सफाई कराये जाने एवं नहरों में टेल तक पानी पहुँचाये जाने के निर्देश अधिशासी अभियंता, सिंचाई को दियें। जिलाधिकारी ने जल निगम की समीक्षा के दौरान पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों का शीघ्रातिशीघ्र मरम्मत कार्य कराकर ठीक कराये जाने के निर्देश अधिशासी अभियंता, जल निगम जयपाल को दियें। उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं के तहत पाइप लाइन बिछाने एवं कनेक्शन का कार्य पूर्ण हो चुका है, वहॉ जल्द से जल्द पानी की सप्लाई कराना सुनिश्चित करें। उन्हांने कहा कि खोदी जा रहीं मार्ग में तुरन्त एचडीपीई पाइप डालकर उसे मोटरेबल करना सुनिश्चित करायें, ताकि ग्रामवासियों को कठिनाइयों की समस्या न करनी पड़े। जिलाधिकारी ने नलकूप की समीक्षा के दौरान नवीन राजकीय नलकूप लगाये जाने के सम्बन्ध में पत्रावली शीघ्र उपलब्ध कराये जाने के निर्देश अधिशासी अभियंता नलकूप को दिये, जिससे स्थल का चयन कर नवीन राजकीय नलकूप का निर्माण कराया जा सकें।

बीएसए कार्यालय में लगाया गया रक्तदान शिविर

कौशाम्बी जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा कार्यालय में लगाये गये स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का फीता काटकर उद्घाटन किया। रक्तदान शिविर में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कमलेन्द्र कुशवाहा सहित 21 शिक्षक व कर्मचारियों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में 28 शिक्षक शिक्षिकाओं ने रजिस्ट्रेशन किया था, जिसमें से 07 लोगों का हीमोग्लोबिन कम होने की वजह से रक्तदान सम्भव नहीं हो सका। जिलाधिकारी ने सभी 21 रक्तदानियों सहित 9 स्वयंसेवी संस्था एवं नियमित रक्तदानियों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने उपस्थित लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि रक्तदान एक महत्वपूर्ण सामाजिक कार्य है। रक्तदान महादान है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान कई जिन्दगियां को बचाता है। उन्हांने कहा कि रक्तदान एक पुनीत कार्य है, इसमें सब लोग सहयोग करें और लोगां को जीवनदान दें। रक्तदान शिविर का आयोजन कर रक्त की कमी को पूरा किया जा सकता है और यह जनसेवा का सबसे उत्तम उदाहरण है।

क्षेत्र में नहीं बनने देंगे अवैध देशी मदिरा : कोतवाल

अझुवा कौशांबी सैनी कोतवाली पुलिस ने गुप्त सूचना पर भारी भरकम फोर्स के साथ अझुवा धुमाई क्षेत्र में दबिश दी है सैनी कोतवाल जय चंद शर्मा ने घुमाई गांव के मजरा खरका पर में संदिग्ध घरों,स्थानों पर दबिश देते हुए सख्त लहजे में आदेशित किया क्षेत्र में कहीं भी अपमिश्रित देशी मदिरा बनते हुए मिल गई तो जिम्मेदार के खिलाफ संगीन धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर दंडित किया जाएगा हालांकि गुप्त सूचना सही नहीं थी तमाम स्थानों पर दबिश के बाद भी पुलिस के हाथ कुछ भी नहीं लगा, लौटते वक्त राष्ट्रीय राजमार्ग अझुवा पर देशी शराब ठेका के सामने भीड़ देखकर शराब सेल्स मैन और दुकानदारों को फटकारते हुए कहा किसी भी शराब उपभोक्ता को दुकान या ठेके के अंदर शराब सेवन करवाने की सूचना मिली तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी इस अवसर पर चौकी इंचार्ज अझुवा जितेंद्र कुमार सिंह,पथरांवा चौकी इंचार्ज आलोक राज,सिराथू चौकी इंचार्ज सहित भारी संख्या मे पुलिस बल मौजूद रहे हैं।

सियार का पेट क्षतिग्रस्त ,भेड़िया की दहशत

अझुवा कौशांबी सैनी कोतवाली के धर्मा देवी इंटर कालेज केन कनवार के पास सड़क किनारे एक सियार का पेट से क्षतिग्रस्त शव मिला है जिसे स्थानीय वाशिंदों द्वारा भेड़िया के हमले से मौत बताया जाता है सियार का क्षतिग्रस्त शव सोशल मीडिया में भी वायरल हो रहा है। सड़क पर सियार का शव देख कर क्षेत्र में दहशत ब्याप्त है।

बृद्धजन दिवस पर बुजुर्गो को वस्त्र फल मिष्ठान्न वितरित

कौशाम्बी। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस दिनाँक-01.10.2024 के अवसर पर बृद्धजन आश्रम ओसा में कार्यक्रम आयोजित कर अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवसधूमधाम से मनाया गया एवं अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर आश्रम के बुजुर्गो को वस्त्र एवं फल,मिष्ठान्न आदि आश्रम संचालक आलोक द्वारा वितरित किया गया है ' इस मौके पर जिला समाज कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी अश्विनी कुमार एवं जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुनीता मंडार भी मौजूद रही अधिकारियों ने वृद्ध जनों का हाल-चाल जाना और उन्हें हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

सोशल सेक्टर से सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक कर डीएम ने दिये दिशा-निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा कार्यालय कक्ष में सोशल सेक्टर से सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक कर जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। डीएम ने जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी तथा जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को निर्देशित किया कि विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत प्राप्त आवेदनों का सत्यापन तथा समस्त कार्यवाही शासनादेशानुसार सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी को राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों तथा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को मदरसों का प्रत्येक माह चेक लिस्ट के आधार पर निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दियें। जिलाधिकारी ने राजकीय आश्रम पद्यति विद्यालय, वृद्धा आश्रम, वन स्टॉप सेन्टर एवं मदरसों सहित अन्य जगहों पर किये गये निरीक्षण के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। उन्हांने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राजकीय आश्रम पद्यति एवं अन्य विद्यालयों में कितने बच्चें कन्या सुमंगला योजना से लाभान्वित हैं, उसकी जानकारी प्राप्त कर आख्या उपलब्ध करायें तथा इन विद्यालयों में फार्म उपलब्ध कराकर ज्यादा से ज्यादा बच्चों को योजनाओं से लाभान्वित करायें। उन्हांने कहा कि यह निरीक्षण नियमित किया जायेंगा। उन्होंने कहा कि राजकीय आश्रम पद्यति विद्यालयों में आवागमन रजिस्टर, प्लेग्राउण्ड, शिक्षा की गुणवत्ता एवं शौचालय अवश्य चेक करें तथा जहॉ कहीं पर भी किसी प्रकार की कमी पायी जाती है तो आख्या रिपोर्ट में अवश्य दशार्यें, मदरसों की जानकारी प्राप्त करने पर बताया गया कि मदरसों में पंजीकृत बच्चों की संख्या के सापेक्ष उपस्थिति कम है, जिस पर जागरूक कर बच्चों को उपस्थिति बढ़ाये जाने के निर्देश दियें।

सम्पादकीय

गौवंश के संरक्षण का कम और उसका राजनैतिक लाभ लेने का इरादा ज्यादा

सड़क पर सावधानीउद्धव ने दिखाया है मीडिया को सुधारने का तरीका अभी दो दिन पहले ही केन्द्रीय निर्वाचन आयुक्त ने 26 नवम्बर के पहले महाराष्ट्र में विधानसभा की चुनावी प्रक्रिया पूरी करने का ऐलान कर संकेत दिये हैं कि जल्दी ही इसकी तारीखों की घोषणा होगी, वहीं सोमवार को महाराष्ट्र सरकार ने गाय को राज्य माता का दर्जा देने के आदेश जारी कर दिये हैं जो एक तरह से उनकी सुरक्षा और सम्मान के प्रति कटिबद्धता को दशार्ता है। मामला गौवंश के संरक्षण का कम और उसका राजनैतिक लाभ लेने का इरादा ज्यादा नजर आता है।

प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना का एकनाथ शिंदे धड़ा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का अजित पवार घटक नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस के नाम से मिलकर सरकार चला रहा है। अब एनडीए किस प्रकार आगामी विधानसभा चुनाव लड़ता है, यह देखने की बात होगी, तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस, शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट और एनसीपी का शरद पवार के नेतृत्व वाला दल महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के बैनर तले एकजुट हैं। ये दोनों ही गठबन्धन लोकसभा चुनाव में भी आमने-सामने थे जिसमें एमवीए को बढ़त मिली थी। इसके अलावा अनेक ऐसे तथ्य हैं जो विधानसभा चुनाव में इस प्रदर्शन को दोहराने का संकेत दे रहे हैं। सत्ता जाने के डर से एनडीए गाय को भी इस उम्मीद में चुनावी मैदान में ले आई है कि उसकी पूंछ पकड़कर वह सियासी वैतरणी को पार कर ले।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी ने ऑपरेशन लोटस चलाकर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में चल रही सरकार को पलट दिया था। इसके लिये उसने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के कुछ विधायकों और ऐसे ही एनसीपी के कुछ विधायकों को अजित पवार के नेतृत्व में तोड़ा था। शिंदे मुख्यमंत्री बने तथा अजित पवार और खुद भाजपा के देवेन्द्र फडनवीस को उप मुख्यमंत्री बनाया गया जो कि पहले सीएम थे। इस तरीके से भाजपा को सरकार बनाने में सफलता तो मिल गयी लेकिन जनता का समर्थन उसने खो दिया। लोगों की निगाहों में असली शिवसेना उद्धव गुट वाली है और शरद पवार के पास जो हिस्सा है वही असली एनसीपी है। उद्धव ठाकरे के प्रति लोगों में इस प्रकरण के चलते बहुत सहानुभूति है। सरकार चलाने के बाद भी एनडीए जनता की नजरों से गिर चुकी है। इसी कारण से उसे लोकसभा में सीटें कम मिल सकीं।

मजबूत इंडिया और उसके बरक्स कमजोर होता एनडीए भाजपा के लिये बहुत बड़ा संकट है। भाजपा अपना मुख्यमंत्री बनाने में नाकामयाब रही है। दूसरी ओर शिंदे फिर से सीएम बनने पर आमादा हैं तो वहीं पवार घात लगाये बैठे हैं कि वे कैसे यह पद पा सकें। अजित पवार को लेकर भाजपा के सामने अधिक दुविधा है। भाजपा की नियामक संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मानना है कि अजित पवार को साथ लेकर भाजपा ने बड़ी गलती की है।

दीर्घ जीवन यानी वार्धक्य दीर्घ अभिशाप न बने

- ललित गर्ग -

हम पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में वृद्धों को सम्मान दें, इसके लिये सही दिशा में चले, सही सोचें, सही करें। इसके लिये आज विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति की जरूरत है और इसी के लिये एक अक्टूबर को सम्पूर्ण विश्व में अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस मनाया जाता है। समाज और नई पीढ़ी को सही दिशा दिखाने और मार्गदर्शन के लिए वरिष्ठ नागरिकों के योगदान को सम्मान देने के लिए इस आयोजन का फैसला संयुक्त राष्ट्र ने 1990 में लिया था। इस दिन पर वरिष्ठ नागरिकों और बुजुर्गों का सम्मान किया जाता है। वरिष्ठों के हित के लिए चिन्तन भी होता है। प्रश्न है कि दुनिया में वृद्ध दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि हम पतन के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, उसकी आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलानी होगी। सुधार की संभावना हर समय है।

वृद्ध व्यक्तियों को सुखद एवं खुशहाल जीवन प्रदत्त करने के लिये हमें सर्वप्रथम तो उन्हें आर्थिक दृष्टि से स्वावलम्बी बनाने पर ध्यान देना होगा। बेसहारा वृद्ध व्यक्तियों के लिए सरकार की ओर से आवश्यक रूप से और सहज रूप मे मिल सकने वाली पर्याप्त पेंशन की व्यवस्था की जानी चाहिए। ऐसे वृद्ध व्यक्ति जो शारीरिक और मानसिक दृष्टि से स्वस्थ हैं, उनके लिए समाज को कम परिश्रम वाले हल्के-फुल्के रोजगार की व्यवस्था करनी चाहिए। वृद्धों के कल्याण के कार्यक्रमों को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए, जो उनमें जीवन के प्रति उत्साह उत्पन्न करे। अधिकांश युवाओं की सोच इस रूप में पुख्ता हो जाती है कि संयुक्त परिवार व्यक्तिगत उन्नति में बाधक होते हैं। चीजों की ललक में स्वहित इतने हावी हो जाते हैं कि संवेदनहीनता मानवीय रिश्तों की महक को क्षण में काफूर कर देती है और तन्हा बुढ़ापा घुटनभरी सांसों के साथ जीने को बाध्य हो जाता है। हमें समझना होगा कि अगर समाज के इस अनुभवी स्तंभ को यूं ही नजरअंदाज किया जाता रहा तो हम उस अनुभव से भी दूर हो जाएंगे, जो इन लोगों के पास है। वृद्ध दिवस मनाना तभी सार्थक होगा जब हम उन्हें परिवार में सम्मानजनक जीवन देंगे, उनके शुभ एवं मंगल की कामना करेंगे।

आज का वृद्ध समाज-परिवार से कटा रहता है और सामान्यतः इस बात से सर्वाधिक दुःखी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमितय न समझे जाने के कारण हमारा वृद्ध समाज दुःखी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश है। वृद्ध समाज को इस दुःख और कष्ट से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरुरत है। आज हम बुजुर्गों एवं वृद्धों के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह करने के साथ-साथ समाज में उनको उचित स्थान देने की कोशिश करें ताकि उम्र के उस पड़ाव पर जब उन्हे प्यार और देखभाल की सबसे ज्यादा जरूरत होती है तो वो जिंदगी का पूरा आनंद ले सके। वृद्धों को भी अपने स्वयं के प्रति जागरूक होना होगा, जैसाकि जेम्स गारफील्ड ने कहा भी है कि यदि वृद्धावस्था की झूर्रियां पड़ती है तो उन्हें हृदय पर मत पड़ने दो। कभी भी आत्मा को वृद्ध मत होने दो।

प्रश्न है कि आज हमारा वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है? अपने को समाज में एक तरह से निष्प्रयोज्य समझे जाने के कारण वह सर्वाधिक दुःखी रहता है। वृद्ध समाज को इस दुःख और संत्रास से छुटकारा दिलाने के लिये ठोस प्रयास किये जाने की बहुत

आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र ने विश्व में बुजुर्गों के प्रति हो रहे दुर्व्यवहार और अन्याय को समाप्त करने के लिए और लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस मनाने का निर्णय लिया। वृद्धों की समस्या पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में सर्वप्रथम अर्जेंटीना ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया था। तब से लेकर अब तक वृद्धों के संबंध में अनेक गोष्ठियां और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन हो चुके हैं। वर्ष 1999 को अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग-वर्ष के रूप में भी मनाया गया। इससे पूर्व 1982 में ह्यविश्व स्वास्थ्य संगठनह्ल ने ह्यवृद्धावस्था को सुखी बनाइएह्ल जैसा नारा दिया और ह्यसबके लिए स्वास्थ्यह्ल का अभियान प्रारम्भ किया गया।

एक पेड़ जितना ज्यादा बड़ा होता है, वह उतना ही अधिक झुका हुआ होता हैय यानि वह उतना ही विनम्र और दूसरों को फल देने वाला होता है, यही बात समाज के उस वर्ग के साथ भी लागू होती है, जिसे आज की तथाकथित युवा तथा उच्च शिक्षा प्राप्त पीढ़ी बूढ़ा कहकर वृद्धाश्रम में छोड़ देती है। आदमी जीवनमूल्यों को खोकर आखिर कब तक धैर्य रखेगा और क्यों रखेगा जब जीवन के आसपास सबकुछ बिखरता हो, खोता हो, मिटता हो और संवेदनाशून्य होता हो। आज के समाज में मध्यम वर्ग में भी वृद्धों के प्रति स्नेह की भावना कम हो गई है। डिजरायली का मार्मिक कथन है कि यौवन एक भूल है, पूर्ण मनुष्यत्व एक संघर्ष और वार्धक्य एक पश्चाताप।ह्ल वृद्ध जीवन को पश्चाताप का पर्याय न बनने दे।

वृद्धावस्था जीवन का अनिवार्य सत्य है। जो आज युवा है, वह कल बूढ़ा भी होगा ही, लेकिन समस्या की शुरूआत तब होती है, जब युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों को उपेक्षा की निगाह से देखने लगती है और उन्हें अपने बुढ़ापे और अकेलेपन से लड़ने के लिए असहाय छोड़ देती है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। इसीलिये सिसरो ने कामना करते हुए कहा था कि जैसे मैं वृद्धावस्था के कुछ गुणों को अपने अन्दर समाविष्ट रखने वाला युवक को चाहता हूं, उतनी ही प्रसन्नता मुझे युवाकाल के गुणों से युक्त वृद्ध को देखकर भी होती है, जो इस नियम का पालन करता है, शरीर से भले वृद्ध हो जाए, किन्तु दिमाग से कभी वृद्ध नहीं हो सकता।ह्ल वृद्ध लोगों के लिये यह जरूरी है कि वे वार्धक्य को ओढ़े नहीं, बल्कि जीएं।

बड़े शहरों में परिवार से उपेक्षित होने पर बूढ़े-बुजुर्गों को ह्यओल्ड होम्सह्ल में शरण मिल भी जाती है, पर छोटे कस्बों और गांवों में तो ठुकराने, तरसाने, सताए जाने पर भी आजीवन घुट-घुट कर जीने की मजबूरी होती है। यद्यपि ह्यओल्ड होम्सह्ल की स्थिति भी ठीक नहीं है। पहले जहां वृद्धाश्रम में सेवा-भाव प्रधान था, पर आज व्यावसायिकता की चोट में यहां अमीरों को ही प्रवेश मिल पा रहा है। ऐसे में मध्यमवर्गीय परिवार के वृद्धों के लिए जीवन का उत्तरार्द्ध पहाड़ बन जाता है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं महिला वृद्ध एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती।

यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। पर कौन सोचता है, किसे फर्सत है, वृद्धों की फिक्र किसे हैं? भौतिक जिंदगी की भागदौड़ में नई पीढ़ी नए-नए मुकाम ढूंढने में लगी है, आज वृद्धजन अपनो से दूर जिंदगी के अंतिम पड़ाव पर कवीन्द्र-रवीन्द्र की पंक्तियां गुनगुनाने को क्यों विवश है-ह्यदीर्घ जीवन एकटा दीर्घ अभिशापह्ल, दीर्घ जीवन एक दीर्घ अभिशाप है।

लेबनान की त्रासदी को समझें

- जयशंकर गुप्त

लगातार युद्ध, हिंसक झड़पों के साथ ही प्राकृतिक आपदाओं की विभीषिका का सामना करते रहे लेबनान और खासतौर से बेरुत के नए सिरे से खड़ा होने की जिजीविषा अपने आप में एक उदाहरण है। बेरुत में मिश्रित जन जीवन और संस्कृति के दर्शन होते हैं। अपने थिएटर, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक, पब्लिशिंग और बैंकिंग गतिविधियों के साथ ही पब्स और नाइट क्लबों से सज्जित नाइट लाइफ के कारण भी बेरुत अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का आकर्षण केंद्र बना हुआ है।

इजराइली हमलों और खासतौर से फिलीस्तीनी मुक्ति के लिए संघर्षरत हथियारबंद संगठन 'हिजबुल्ला' के प्रमुख हसन नसरल्लाह की हत्या के बाद पश्चिम एशिया में मिश्रित आबादी वाला देश लेबनान एक बार फिर सुर्खियों में है। ईरान सहित कुछ अन्य मुस्लिम देशों की प्रतिक्रिया और जवाबी हमलों की चेतावनी के मद्देनजर इलाके में हिंसा और रक्तपात और बढ? की आशंका बढ़ गई है। इजराइल की योजना लेबनान और उसकी खूबसूरत राजधानी बेरुत को भी गजा बना देने की लगती है जहां आए दिन फिलीस्तीनियों के नरसंहार की खबरें आते रहती हैं। लेबनान की सेना ने एक बयान जारी कर कहा है कि पिछले दो सप्ताह में इजराइली हमलों में 1030 लोग मारे गए हैं जिनमें 156 महिलाएं और 87 बच्चे हैं। यह संख्या बढ़ते ही जा रही है।

लेबनान या इसके कुछ इलाकों पर अड्डा जमाए हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमलों से लगता है कि लेबनान भी कोई मुस्लिम देश है। यह सच है कि वहां आधी से अधिक आबादी शिया और सुन्नी मुसलमानों की ही है लेकिन वहां बड़ी आबादी अलग-अलग सेक्ट के ईसाइयों की भी है। इसे हमने हम ग्लोबल मार्च टू येरुशलम के बैनर तले लेबनान में जाकर महसूस किया। हम लोग समुद्री जहाज से लेबनान की राजधानी बेरुत पहुंचे थे। लेबनान की यात्रा के रोचक और रोमांचक अनुभवों को हमने अपनी सद्य प्रकाशित पुस्तक 'दो डग देखा जग' में विस्तार से साझा किया है। यहां हम लेबनान के इतिहास, भूगोल, वहां के सामाजिक जीवन, समावेशी लोकतंत्र से लेकर अपनी रोमांचक यात्रा के कुछ अंश साझा कर रहे हैं।

लेबनान पूर्व में सीरिया तथा दक्षिण में इजराइल की सीमा से लगा मिश्रित सभ्यता और संस्कृतियों का छोटा सा देश है। उसे मध्यूपर्व यानी पश्चिमी एशिया में व्यापार का एक महत्वपूर्ण केंद्र कहा जा सकता है। अपनी आजादी से पहले 1943 तक लेबनान फ्रेंच साम्राज्य का उपनिवेश भी रहा। इसके अवशेष आज भी यहां जनजीवन पर साफ दिखते हैं। लेबनान और इसका तकरीबन पांच हजार साल पुराना

और विकसित राजधानी शहर बेरुत दशकों तक युद्ध-गृह युद्धों और प्राकृतिक आपदाओं की विभीषिका झेलता रहा है। इस लिहाज से देखा जाए तो लेबनान मध्य पूर्व यानी पश्चिम एशिया में सबसे जटिल और बंटे हुए देशों में से एक है।

इजराइल के निर्माण के समय और बाद में भी फिलीस्तीन समस्या से जुड़े जो भी विवाद उठे उनमें किसी न किसी रूप में लेबनान भी शामिल रहा है। 1975 से लेकर नब्बे के दशक तक लेबनान ने एक जबरदस्त गृह युद्ध देखा, जहां क्षेत्रीय ताकतों, विशेषकर इजराइल, सीरिया और फिलस्तीनी मुक्ति संगठनों ने लेबनान को अपने झगड़े सुलझाने के लिए लड़ाई के मैदान के तौर पर इस्तेमाल किया। युद्ध की शुरूआत होते ही सीरियाई सैनिक टुकडि?ां वहां दाखिल हो गईं। इजराइली सेना ने 1978 और फिर 1982 में हमले किए और फिर वे 1985 में एक स्वघोषित सुरक्षा जोन में दाखिल हो गए जहां से वे हिजबुल्ला के लड़ाकों से मिली शिकस्त के बाद ही बाहर निकले। सीरिया का लेबनान में अच्छा खासा राजनीतिक दबदबा है।

हालांकि सीरिया ने 2005 में अपनी सैनिक टुकडि?ां वहां से हटा कर 29 साल की अपनी सैन्य मौजूदगी खत्म कर दी थी। यह कदम लेबनान के तत्कालीन प्रधानमंत्री रफीक हरीरी की हत्या के बाद उठाया गया था। लेबनानी विपक्षी गुटों ने इस मामले में सीरिया का हाथ होने का आरोप लगाया। उसके बाद बेरुत में सीरिया समर्थक और सीरिया विरोधी बड़ी-बड़ी रैलियां आयोजित हुईं और सीरिया को वहां से बाहर निकलना पड़ा।

बेरुत की अरब शिया-सुन्नी मुस्लिम, ईसाई बहुल मिश्रित आबादी में एक चौथाई आबादी 1948 में यहां आए फिलीस्तीनी शरणार्थियों की भी है। इस कारण भी वहां अक्सर आपस में और इजराइल से भी हिंसक झड़पें होती रहती हैं। 1982 के युद्ध में इजराइल ने लेबनान और खासतौर से बेरुत शहर को तबाह सा कर दिया था। लेकिन 2006 में हिजबुल्ला के लड़ाकों ने इजराइली सेना को परास्त कर उसे बहुत दूर खदेड़ दिया था। उस युद्ध में विजय और इजराइल की पराजय को यादगार बनाने के लिए बेरुत से कुछ दूर ऊंची पहाड़ी पर 'वार मेमोरियल' बनाया गया है जहां इजराइल के साथ युद्ध में हिजबुल्ला की जीत पर आधारित फिल्म दिखाई जाती है ।

लगातार युद्ध, हिंसक झड़पों के साथ ही प्राकृतिक आपदाओं की विभीषिका का सामना करते रहे लेबनान और खासतौर से बेरुत के नए सिरे से खड़ा होने की जिजीविषा अपने आप में एक उदाहरण है। बेरुत में मिश्रित जन जीवन और संस्कृति के दर्शन होते हैं। अपने थिएटर, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक, पब्लिशिंग और बैंकिंग गतिविधियों के साथ ही पब्स और नाइट क्लबों से सज्जित नाइट लाइफ के कारण भी बेरुत अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का आकर्षण केंद्र बना हुआ है। यह भी एक वजह है कि न्यूयार्क टाइम्स ने 2009 में बेरुत को पर्यटकों का सबसे पसंदीदा शहर घोषित किया था।

लेबनान की राजधानी बेरुत को पश्चिम एशिया का पेरिस भी कहा जाता है। लेकिन छोटे-मोटे तमाम कामों के लिए यह शहर 'सूरी कामगारों' पर टिका है। सूरी यानी पड़ोसी देश सीरिया में गरीबी, बेरोजगारी और आतंकवाद से त्रस्त होकर यहां आने वाले लोग काम करते नजर आ जाएंगे। सबसे बुरी हालत तो यहां रहने वाले फिलीस्तीनी शरणार्थियों की है। उनकी बस्तियां अलग-अलग इलाकों में हैं। उन्हें किसी तरह के नागरिक अधिकार नहीं हैं।

28 मार्च, 2012 की सुबह नौ बजे हमारा जहाज बेरुत बंदरगाह पर पहुंच गया था। लेबनान के कुछ आप्रवासन अधिकारी जहाज के अंदर आए और हमसे वीसा फार्म भरवाकर हमारे पासपोर्ट लेकर चले गए। कई घंटे बीत जाने के बाद भी जब वीसा नहीं मिला तो चिंता सताने लगी। रात के 11 बजे तक कोई हलचल नहीं दिखी तो एक बार फिर हम लोगों ने आधी रात को जहाज के डेक पर आकर हल्ला-हंगामा और नारेबाजी शुरू की। थोड़ी देर में बंदरगाह के आप्रवासन अधिकारी अहमद आए। उनके साथ हमारी कुछ कहा-सुनी भी हुई। अहमद अगली सुबह नौ बजे तक कुछ होने की बात कह कर चले गए। दाल में कुछ काला भांप कर हम लोगों ने बेरुत स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क किया।

इस बीच जहाज पर पहुंचे भारतीय दूतावास में वीसा काउंसिलर ए के शुक्ला ने बताया कि बेरुत के आप्रवासन अधिकारी तो हमें बैरंग दिल्ली डिपोर्ट करने की तैयारी में हैं। मतलब साफ था कि आपको बिना कोई कारण बताए वापस आपके मुल्क भेज दिया जाएगा और आपके पासपोर्ट पर लिख दिया जाएगा, 'डिपोर्टेड'। हमने जहाज में साथियों से विमर्श किया और शुक्ला जी की बातों का मर्म समझाया कि हमारे पासपोर्ट्स पर 'डिपोर्टेड' लिखकर हमें वापस हमारे देश भेज दिया जाएगा। उस पर डिपोर्टेशन का कारण भी नहीं लिखा होगा। हमने तय किया कि गांधी और लोहिया के दिए राजनीतिक अस्त्र 'सिविल नाफरमानी' का इस्तेमाल करते हुए इसकी शालीनता के साथ अवज्ञा करेंगे।

इस बीच शायद 'नई दिल्ली' का संदेश आ चुका था। और तकरीबन 40 घंटे बेवजह जहाज में ही बिताने के बाद हमें वीसा मिल गया। अगली सुबह बसों से हमारा कारवां 'ग्लोबल मार्च टू येरूशलम' का हिस्सा बनने के लिए रवाना हुआ।

बेरुत से तकरीबन 60 किमी दूर अरनून गांव की पहाड़ी पर स्थित बेऊफोर्ट कैसल के पास हमें तारों की बाड़ दिखाई दी। किले के पास दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों के द्वारा फिलीस्तीन की मुक्ति एवं येरूशलम पर तीनों धर्मों-मुस्लिम, ईसाई और यहूदियों के पवित्र धर्मस्थलों की सम्मानजनक स्थिति बहाली की मांग के साथ 'ग्लोबल मार्च टू येरूशलम' का एक और चरण पूरा हो गया। प्रदर्शन में स्थानीय फिलीस्तीनी शराणार्थी स्त्री-पुरुष भी बड़ी मात्रा में वहां आए थे।

हालांकि फिलीस्तीन मुक्ति के नाम पर जमा प्रदर्शनकारियों के आपसी मतभेद वहां भी खुलकर दिखे।

यह भी एक कारण था कि वहां अपेक्षाकृत भीड़ नहीं जुटी। 'फिलीस्तीनी मुक्ति मोर्चा', 'हमास', 'फतह' और 'हिजबुल्ला' के बीच कार्यक्रम के आयोजन का श्रेय लेने की होड़ हिंसक झड़प में बदलने से बाल-बाल बची। मंच पर एक तरह से हिजबुल्ला के लोगों का ही कब्जा हो गया था। लेकिन सबसे अधिक सम्मान तिरंगे के साथ महात्मा गांधी की तस्वीरों को सीने से लगाए भारतीय प्रतिनिधियों का था।

अहिंसा को जीवनशैली बनायें

-: ललित गर्ग:-

आज चारों तरफ हिंसा का बाहुल्य है। आज के युग तो अनावश्यक हिंसा का युग कहा जा सकता है। बिना मतलब जीवों की और आदमी की भी हिंसा हो रही है। हिंसा करना एक शौक बनता जा रहा है। धीरे-धीरे यह शौक आदमी की जीवनशैली बन रहा है। बिना किसी की हत्या किए आदमी को चैन नहीं मिलता। देश एवं दुनिया में जटिल होते हिंसक हालातों पर नियंत्रण के लिये राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्मदिन 2 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाना हमारे लिये गर्व की बात है। गांधी की अहिंसा ने भारत को गौरवान्वित किया है, भारत ही नहीं, दुनियाभर में अब उनकी जयन्ती को बड़े पैमाने पर अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। गांधी के अनुयायियों एवं उनमें आस्था रखने वाले उन तमाम लोगों को इससे हार्दिक प्रसन्नता हुई है जो बापू के सिद्धान्तों से गहरे रूप में प्रभावित हैं, अहिंसा के प्रचार-प्रसार में निरन्तर प्रयत्नशील हैं। यह बापू की अन्तर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता का बड़ा प्रमाण भी है। यह एक तरह से गांधीजी को दुनिया की एक विनम्र श्रद्धांजलि भी है। यह अहिंसा के प्रति समूची दुनिया की स्वीकृति भी कही जा सकती है।

महात्मा गांधी ने विश्व शांति, अहिंसा एवं आपसी सौहार्द की स्थापना के लिए देश-विदेश के शीर्ष नेताओं से मुलाकातें कीं, अहिंसक प्रयोग किये, भारत को अहिंसा के द्वारा आजादी दिलाई। उन्होंने आदर्श, शांतिपूर्ण एवं अहिंसक समाज के निर्माण के लिये वातावरण बनाया। सबसे पहले ह्यअहिंसा परमो धर्मःह्ल का प्रयोग हिन्दुओं के पावन ग्रंथ ह्यमहाभारतह्ल के अनुशासन पर्व में किया गया था। लेकिन इसको अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि दिलवायी महात्मा गांधी ने। गांधी ने अपनी वाणी से और अपने स्वयं के जीवन से इसे वह प्रतिष्ठा दिलाई कि अहिंसा के साथ महात्मा गांधी का नाम ऐसा जुड़ गया कि दोनों को अलग कर ही नहीं सकते। अहिंसा का सीधा-साधा अर्थ करें तो वह होगा कि व्यावहारिक जीवन में हम किसी को कष्ट नहीं पहुंचाएं, किसी प्राणी को अपने स्वार्थ के लिए दुःख न दें। ह्यआत्मानः प्रतिकूलानि परेषाम् न समाचरेत इस भावना के अनुसार दूसरे व्यक्तियों से ऐसा व्यवहार करें जैसा कि हम उनसे अपने लिए अपेक्षा करते हैं। इतना ही नहीं सभी जीव-जन्तुओं के प्रति अर्थात् पूरे प्राणी मात्र के प्रति अहिंसा की भावना रखकर किसी प्राणी की अपने स्वार्थ व जीभ के स्वाद आदि के लिए हत्या न तो करें और न ही करवाएं और हत्या से उत्पन्न वस्तुओं का भी उपभोग नहीं करें।

हमारे लिये यह सन्तोष का विषय इसलिये है कि अहिंसा का जो प्रयोग भारत की भूमि से शुरू हुआ उसे संसार की सर्वोच्च संस्था ने जीवन के एक मूलभूत सूत्र के रूप में मान्यता दी। हम देशवासियों के लिये अपूर्व प्रसन्नता की बात है कि गांधी की प्रासंगिकता चमत्कारिक ढंग से बढ़ रही है। दुनिया उन्हें नए सिरे से खोज रही है। उनको खोजने का अर्थ है अपनी समस्याओं के समाधान खोजना, हिंसा एवं आतंकवाद की बढ़ती समस्या का समाधान खोजना। शायद इसीलिये कई विश्वविद्यालयों में उनके विचारों को पढ़ाया जा रहा है, उन पर शोध हो रहे हैं। आज भी भारत के लोग गांधी के पदचिन्हों पर चलते हुए अहिंसा का समर्थन करते हैं। पडौसी देश के साथ भी लगातार अहिंसा से पेश आते रहे हैं, लेकिन उन्होंने हमारी अहिंसा को कायरता समझने की भूल की है।

हिंसकवृत्ति आदमी को एक दिन कालसौकरिक कसाई बना देती है, कंस बना देती है, रावण बना देती है। एक ऐसा हिंसक समाज बन रहा है, जिसमें कुछ लोगों को दिन भर में जब तक किसी को मार नहीं देते, उन्हें बेचैनी-सी रहती है। इतिहास में ऐसे कुछ विकृत दिमाग के लोग हुए हैं, जिन्हें यातना देकर किसी को मारने में आनंद आता था। अपने शौक को पूरा करने के लिए वे कारागृह में लोगों को भेड़-बकरियों की तरह भरते थे और प्रतिदिन उनमें से कई को वीभत्स तरीके से मारते थे। इसमें उन्हें एक अव्यक्त आनंद की अनुभूति होती थी। सैमुबल बेकेट का मार्मिक कथन है कि आंसू बहना इस दुनिया में कभी नहीं थमता। एक शख्स की आंख में वह थमता है तो कहीं और किसी दूसरे की आंख में बहने लगता है। लेकिन यही बात हंसी पर भी लागू होती है।ह्ल हिंसा के माहौल में अहिंसा के दीपक भी यत्र-तत्र प्रज्वलित होते ही है। भले ही अहिंसा एवं शांति की लौ धीमी हो, लेकिन यह हिंसा एवं अशांति से कहीं बेहतर एवं कारगर है। अहिंसा दिवस की आयोजना इस मद्धिम होती रोशनी को तीव्र करने की प्रेरणा देती है।

जिनकी जीवनशैली हिंसाप्रधान होती है, उनकी दृष्टि में हिंसा ही हर समस्या का समाधान है। हिंसा एक मिथ्यादर्शन, किन्तु हिंसकवृत्ति के लोगों ने उसे सम्यक्दर्शन बना दिया है। जो जितनी बड़ी हिंसा करता है, उसे उतना ही सफल माना जाने लगा है। राजनीति में तो हिंसा जीत का हथियार बन गयी है। बड़े राष्ट्र इसी तरह की हिंसा के बल पर दुनिया पर अपना आधिपत्य करते हैं। बात शांति की हो, अहिंसा की हो और मार्ग हिंसा एवं अशांति का चुने तो यह कैसे संभव हो सकता है। अहिंसा एवं शांति को चाहने वालों जागरूक होना होगा और इसके लिये महात्मा गांधी के जीवन-दर्शन एवं सिद्धान्तों को सामने रखना होगा। गांधी ने कहा भी है कि अहिंसा ही धर्म है, वही जिन्दगी का एक रास्ता है।

अध्यात्म के आचार्यों ने हिंसा और युद्ध की मनोवृत्ति को बदलने के लिए मनोवैज्ञानिक भाषा का प्रयोग किया है। उन्होंने कहा है- युद्ध करना परम धर्म है, पर सच्चा योद्धा वह है, जो दूसरों से नहीं स्वयं से युद्ध करता है, अपने विकारों और आवेगों पर विजय प्राप्त करता है। जो इस सत्य को आत्मसात कर लेता है, उसके जीवन की सारी दिशाएं बदल जाती हैं। वह अपनी शक्तियों का उपयोग स्व-पर कल्याण के लिए करता है। जबकि एक हिंसक अपनी बुद्धि और शक्ति का उपयोग विनाश और विध्वंस के लिए करता है। पडौसी देश पाकिस्तान ऐसा ही करता रहा है, उसको अपनी अवाम के बारे में सोचना चाहिए। शायद वह कभी भी हिंसा एवं युद्ध नहीं चाहती है।

गांधीजी आज संसार के सबसे लोकप्रिय भारतीय बन गये हैं, जिन्हें कोई हैरत से देख रहा है तो कोई कौतुक से।

इन स्थितियों के बावजूद उनका विरोध भी जारी है। उनके व्यक्तित्व के कई अनजान और अंधेरे पहलुओं को उजागर करते हुए उन्हें पतित साबित करने के भी लगातार प्रयास होते रहे हैं, लेकिन वे हर बार ज्यादा निखर कर सामने आए हैं, उनके सिद्धान्तों की चमक और भी बढ़ी है। वैसे यह लम्बे शोध का विषय है कि आज जब हिंसा और शस्त्र की ताकत बढ़ रही है, बड़ी शक्तियां हिंसा को तीक्ष्ण बनाने पर तुली हुई हैं, उस समय अहिंसा की ताकत को भी स्वीकारा जा रहा है।

70 वर्ष से ऊपर आयु के लोगों को मिलेगा पांच लाख का स्वास्थ्य लाभः डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। उप्र राज्य वरिष्ठ नागरिक नीति के तहत डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने वरिष्ठ नागरिक दिवस पर वरिष्ठ नागरिकों को हार्दिक शुभकामनायें दी। कहा कि आप लोग भारत व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लें। समाज के लोगों को भी लाभान्वित कराए। भारत सरकार ने आयुष्मान कार्ड योजना के तहत 70 वर्ष से ऊपर आयु के सभी लोगों को पांच लाख रुपए तक का स्वास्थ्य लाभ लेने की योजना लागू की है। इसके अलावा पेंशन योजना भी संचालित है। उनका भी लाभ आम जनमानस को दिलाई जाए।

सम्मानित करते डीएम।

मंगलवार को जिलाधिकारी ने वरिष्ठ कोषाधिकारी व जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि जो वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएं हैं, उनको संबंधित विभागों से निस्तारण करायें। जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया ने वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षा, प्रभावी व्यवस्था शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल को शोषण से उनकी रक्षा की व्यवस्था सक्रिय की है। पेंशनर्स संघ अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार द्विवेदी ने कहा कि शासन-प्रशासन की मंशानुसार वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया जा रहा है। पेंशनर्स संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रताप नारायण श्रीवास्तव ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान कराने का निर्णय लिया है। सरकार लोगों को जागरुक कर रही है। समाज का वातावरण दूषित हो रहा है। जिलाधिकारी ने वरिष्ठ नागरिकों को अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर एडीएम एफआर उमेश चन्द्र निगम, वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह समेत संबंधित अधिकारी व पेंशनर्स जगबली सिंह, महेंद्र सिंह पटेल, जागेश्वर सिंह, गोकुलेश ओझा, नरेश गुप्ता, मधुसूदन मिश्रा, भुवनेश पांडेय आदि मौजूद रहे।

प्रशिक्षण को एमपी रवाना हुए पचास किसान

डीएम ने बस को दिखाई हरी झंडी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कृषि विभाग की पहल से अब किसानों को फिर से खेती में नये अवसर मिल रहे हैं। जिले के पचास किसानों को मिलेट्स मोटे अनाज व गेहूं की खेती का प्रशिक्षण लेने को मप्र के जबलपुर भेजा गया है।

मंगलवार को कृषि विभाग ने आत्मा योजना व नेशनल फूड सिक्योरिटी मिशन के तहत इस कदम की शुरुआत की गई है। डीएम ने इन किसानों को हरी झंडी दिखाकर बस से जबलपुर पं जवाहरलाल नेहरू कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के लिए रवाना किया।

बस को हरीझंडी दिखाते डीएम।

ये प्रशिक्षण सात दिनों तक चलेगा। किसानों को मिलेट्स व गेहूं की आधुनिक खेती से जुड़े नए-नए तकनीकों व संभावनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी। फसलों से कौन-कौन से व्यंजन तैयार किये जा सकते हैं व व्यापार में कैसे वृद्धि की जा सकती है, जानकारी दी जायेगी। प्रशिक्षण बाद किसानों से उम्मीद की जा रही है कि वे अपने जिले में मिलेट्स व गेहूं की खेती को नए सिरे से शुरू करेंगे। इससे वे अधिक मुनाफा कमा सकेंगे। इस कदम से चित्रकूट में खेती-किसानी की दिशा में एक नई उम्मीद जागी है। जो किसानों के आर्थिक स्थिति में सुधार ला सकती है।

जिपं अध्यक्ष ने रैली को हरीझंडी दिखा किया अभियान का शुभारम्भ

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले में विशेष संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान अक्टूबर 2024 का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव व पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल ने संचारी रोग से रोकथाम व बचाव को स्वास्थ्य कर्मियों, सफाई कर्मियों, सफाई वाहनों आदि की जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया।

मंगलवार को विशेष संचारी रोग व दस्तक अभियान का तृतीय चरण एक से 31 अक्टूबर तक चलाया जाना प्रस्तावित है। जिसमें विभिन्न विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते को वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए विभिन्न गतिविधियां झाडियां की कटाई, नालियों की सफाई, कीटनाशक दवाओं का छिडकाव, जन जागरूकता आदि संपादित करेंगे। समस्त विभागों द्वारा आपसी समन्वय बनाते हुए शासन द्वारा दी गई। गाइड लाइन में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने कार्य व दायित्वों का पालन किया जाएगा। दस्तक अभियान 11 से 31 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। आशा व आंगनवाडी कार्यकत्रियां घर-घर जाकर बुखार के रोगियों, क्षयरोग के लक्षण वाले व्यक्तियों, कुपोषित बच्चों आदि की जानकारियां एकत्र करेंगी। दस्तक अभियान में घर-घर भ्रमण के दौरान आशा कार्यकर्ता द्वारा घर के प्रत्येक सदस्य की आभा आईडी बनाने का भी कार्य किया जाएगा।

शपथ लेते पूर्व सांसद आदि।

इस मौके पर जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी वेक्टर बॉर्न डॉ गंगाराम रतमेले, जिला मलेरिया अधिकारी लाल साहब सिंह, सहायक मलेरिया अधिकारी आरके सिंह, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक रोहित व्यास, मलेरिया निरीक्षक प्रगति चंदेल, ज्योति सिंह, जयशंकर गुप्ता, यूनिसेफ के डीएमसी दिलीप द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

बिना नक्शा पास कराये खंड दर खंड बन रही इमारत, भू-माफिया सक्रिय

चित्रकूट। शहर के रिहायशी इलाके स्टेशन रोड पर बन रही आलीशान बिल्डिंग बिना विकास प्राधिकरण से नक्शा पास करवाकर खंड दर खंड इमारत बना रही है। इस मामले में तत्कालीन जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने ताबड़तोड़ कार्यवाही कर जमकर बुल्डोजर चलाया था। मंगलवार को पुनः भू-माफिया का मामला सामने आया। डीएम शिवशरणप्पा जीएन के कार्यकाल में भू-माफिया ने पुनः बिल्डिंग पर कार्य शुरू करवा दिया है। विकास प्राधिकरण के अवर अभियंता ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि उन्होंने कार्य रुकवाने का प्रयास किया। होटल स्वामी ने अपने रसूख के चलते उनकी एक नहीं सुनी और कार्य को रुकवाने से मना कर दिया। अब देखना है कि गरीब मजलूमों पर बादलों की तरह गरजने वाला बुल्डोजर रसूखदार की छत पर कब गरजेगा।

कुपोषण से बचाव बाबत विभिन्न गांवों में हुई गोष्ठी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। महिलाओं व बच्चों को कुपोषण से बचाने व कुपोषण के प्रति जागरूक करने को जन कल्याण शिक्षण समिति ने राष्ट्रीय पोषण माह के तहत पोषण माह मनाया गया। कुपोषण से बचाव को मारकुंडी, सरैया, चंद्रा मारा, खरौंध, खोह, बिहारा, संग्रामपुर में गोष्ठी हुई। जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति के कार्यक्रम समन्वयक आदित्य मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह मनाने का उद्देश्य छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान करने वाली महिलाओं व किशोरियों को कुपोषण व एनीमिया की कमी से बचाना है।

मंगलवार को सीएसडब्लू पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि बच्चों को खाना खिलाने से पहले साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें। प्रदूषण खानपान से बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है।

महिलाओं को जागरूक करते अधिकारी।

सचिव शंकर दयाल ने बताया कि कुपोषण देश में एक बड़ी समस्या है। इस दिशा में भारत सरकार व राज्य सरकारें कार्य कर रही है। लोगों में कुपोषण के विषय में जानकारी के अभाव से बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास नहीं हो पा रहा है। पौष्टिक खानपान को पारंपरिक भोजन, मोटा अनाज व स्थानीय फल को बढ़ावा देना चाहिए। डाबर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से सभी को आम, अमरूद, लीची इत्यादि फलों का जूस वितरित किया गया।

दलित बस्ती से हटायें देशी शराब ठेका: संजय गौतम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भीम आर्मी जिलाध्यक्ष संजय कुमार गौतम की अगुवाई में सैकडों ग्रामीणों ने पहाड़ी के अशोह गांव में दलित बस्ती व कम्पोजिट विद्यालय के पास खुला देशी शराब के ठेके को बस्ती से हटाने को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

मंगलवार को ग्रामीणों ने भीम आर्मी के बैनर तले जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए जिलाध्यक्ष संजय कुमार गौतम ने बताया कि बस्ती में शराब का ठेका है। लोग शराब पीने के बाद अभद्रता करते हैं। ठेके के पास कंपोजिट विद्यालय है। शराबी अभद्रता कर शिक्षा व्यवस्था बाधित करते हैं। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग व पुलिस प्रशासन को पत्र देकर ठेका हटाने की मांग की थी। कोई कार्रवाई न होने से ग्रामीणों ने भीम आर्मी के बैनर तले सैकड़ो ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि विद्यालय के बच्चों को शराबियों से दूर रखा जाए। शराब का ठेका उसे जगह से हटकर गांव के कहीं बाहर किया जाये। इस मौके पर भीम आर्मी जिलाध्यक्ष संजय कुमार गौतम, कंपोजिट विद्यालय अशोह अध्यक्ष अश्विनी पांडे, श्रीपाल प्रजापति, उमेश कुमार, प्रिमता, नीतू वर्मा, रेनू, मंजू, तुलसा, बिंदी, अंजू, संगीता, रूप सविता, हिमानी, पूनम, नथिया, कमल, रामकलीय, विद्या, फूल कुमारी आदि मौजूद रहे।

प्रदर्शन करते ग्रामीण।

नाबालिक को भगाकर दुष्कर्म आरोपी दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान में एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी व सीओ मऊ जयकरन सिंह की देखरेख में प्रभारी निरीक्षक मारकुण्डी शिवआसरे की अगुवाई में पुलिस ने नाबालिक लड़की को बहला- फुसलाकर भगा ले जाकर दुष्कर्म आरोपी को गिरफ्तार किया।

ज्ञात है कि 26 सितम्बर 2024 को वादी ने मारकुण्डी थाने में सूचना दी कि सुकेन पुत्र स्व सुंदर उर्फ सुंदरवा कोल गोपीपुर करौंहा उनकी 16 वर्षीय नाबालिक पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले गया है। सूचना पर मारकुण्डी थाने में वरिष्ठ दरोगा शैलेन्द्र चन्द्र पाण्डेय को विवेचना के निर्देश दिये। 27 सितम्बर 2024 को पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराकर न्यायालय के समक्ष धारा 183 बीएनएसएस के बयान कराये। वरिष्ठ दरोगा शैलेन्द्रचन्द्र पाण्डेय ने मंगलवार को सुकेन को गिरफ्तार किया। पीडिता के मेडिकल परीक्षण व न्यायालय में बयान के आधार पर मामला दर्ज हुआ। टीम में वरिष्ठ दरोगा शैलेन्द्रचन्द्र पाण्डेय व सिपाही अभिषेक यादव शामिल रहे।

पुलिस गिरफ्त में दुष्कर्म आरोपी।

चार पर हुआ मिनी गुंडा

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जारी अभियान में कर्वी कोतवाल उपेन्द्र प्रताप सिंह ने भोली-भाली जनता में भय-आतंक फैलाकर गुंडागर्दी करने वाले बाबू उर्फ मनोज यादव, नीलू उर्फ विनोद यादव, लाखनलाल उर्फ लखना व भरतलाल यादव पुत्रगण राजाराम उर्फ रज्जन चकला गुरुबाबा शिवरामपुर के खिलाफ मिनी गुण्डा एक्ट की कार्यवाही की गई।

खडंजा निर्माण बाबत दो पक्षों में चले लाठी-डंडे, पुलिस ने कार्रवाई के दिये निर्देश

अखंड भारत संदेश

राजापुर/चित्रकूट। राजापुर थाना क्षेत्र में खड़ंजा निर्माण को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। दो लोग घायल हो गये हैं। ये घटना लूपलाइन चैराहे के पास की है। जहां नगर पालिका का खड़ंजा निर्माण का काम चल रहा था। मंगलवार को बताया कि एक पक्ष के मुन्ना अग्रहरी ने अपने दरवाजे के सामने जलभराव से बचने को खड़ंजा ऊंचा करवा दिया। इस पर दूसरे पक्ष के छोटा सोनी ने आपत्ति जताई। इससे विवाद बढ़ गया। देखते ही देखते बात इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों व लात-घूसे से हमला कर दिया। इस हिंसक झड़प में महिलाओं को भी निशाना बनाया गया। जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया। मारपीट दौरान मुन्ना अग्रहरी व बेटा प्रतीक घायल हो गए। इस मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

शासन स्तर पर करायें नहरों की सिल्ट सफाई

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सिल्ट सफाई कार्यक्रम के तहत हुई बैठक में अधिशासी अभियंता सिंचाई एसके प्रसाद ने बताया कि रसिन, बरुआ, ओहन, गुन्ता बांध, चिल्ली पंप कैनाल व लघु योजनाओं की 455.126 किमी नहरों की सिल्ट सफाई का प्रस्ताव शासन स्तर पर भेजा है। इसमें जितने किमी मंजूर शासन स्तर से होकर आयेंगे, उसी अनुसार नहरों की सिल्ट सफाई का कार्य कराया जाएगा। दस नवंबर तक प्रत्येक दशा में सभी नहरों पर सिल्ट सफाई का कार्य करा लिया जाएगा। डीएम ने अधिशासी अभियंता सिंचाई को निर्देश दिए कि गत वर्ष जो सिल्ट सफाई नहरों की कराई गई है, उसके फोटोग्राफ्स दिखायें। इस वर्ष जिन नहरों की सिल्ट सफाई कराई जानी है, उसमें सिल्ट सफाई कार्य होने के पूर्व व कार्य के बाद के फोटोग्राफ्स भी लें। जहां पर नहरें व पुलिया टूटी है, उनको ठीक कराया जाए। शासन से नहरों की सफाई को जैसे ही स्वीकृति प्राप्त हो जाए तो शासन की मंशानुसार गुणवत्तापूर्ण कार्य समय सीमा के अंदर कराया जाए। बैठक में सीडीओ अमृतपाल कौर, एडीएम एफआर उमेश चन्द्र निगम, पुलिस क्षेत्राधिकारी यातायात यामीन अहमद, अधिशासी अभियंता सिंचाई एसके प्रसाद, सहायक अभियंता सिंचाई गुरु प्रसाद समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म आरोपी गिरफ्तार

पैसा इन्वेस्ट करने के बहाने फोन पर की दोस्ती

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। जिले के मानिकपुर थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दावा किया कि एक ऐप के जरिये आरोपी ने युवती से फोन से बातचीत दौरान दोस्ती की थी। आरोपी युवक ने खुद को इनकम टैक्स का अधिकारी बताया था।

मंगलवार को प्रभारी निरीक्षक मानिकपुर दुर्ग विजय सिंह की टीम ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मानिकपुर थाने के एक गांव के पीड़ित ने सूचना दी कि बरेली के रहने वाले युवक आकाश गंगवार ने बेटी को बातचीत दौरान इनकम टैक्स का अधिकारी बताया था। दोनों की दोस्ती एक ऐप के जरिए हुई थी। फिर शादी का झांसा देकर उसकी बेटी से दुष्कर्म करता रहा।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

वह बेटी को बहला फुसलाकर कानपुर लेकर पहुंचा। कई दिनों तक बेटी को लेकर घूमता रहा। आरोप है कि जब उसकी बेटी ने शादी करने को दबाव बनाया तो वह मौके से गायब हो गया। किसी तरह फोन के सहारे उन्होंने बेटी को ढूंढा। वापस अपने गांव लेकर पहुंचे। मामले की जानकारी थाना मानिकपुर में दी। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी युवक को सोमवार को सरैया मुख्य सड़क मालिन टंकी के पास से गिरफ्तार किया है।

मानिकपुर थाना प्रभारी निरीक्षक दुर्ग विजय सिंह ने बताया कि युवक से युवती की पहचान स्नैपडील ऐप के जरिए हुई थी। युवक ने खुद को इनकम टैक्स अफसर बताया था। युवती के साथ उसके परिजन भी युवक के झांसे में आ गए। युवती का विवाह युवक से करने को राजी हो गए थे। भेद खुलने के बाद युवक फरार हो गया। परिजनों ने आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।

अपर पुलिस अधीक्षक ली मंगलवार परेड की सलामी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी ने पुलिस लाइन में मंगलवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया। परेड में अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिसकर्मियों की ड्रिल का निरीक्षण किया। एएसपी ने शस्त्रों को खोलवाया। साथ ही पुलिस लाइन का भ्रमण कर मैस, बैरिक, सीपीसी कैन्टीन, आरओआईपी डायल 112, रेडियो कन्ट्रोल रूम, क्वार्टर गार्द, स्टोर रूम का निरीक्षण कर प्रतिसार निरीक्षक शिवनारायण को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इसके बाद उन्होंने कर्मचारियों का अर्दली रुम किया।

सरस्वती शिशु मंदिर आचार्य दक्षता वर्ग का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सरस्वती शिशु मंदिर में विद्या भारती द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर, बालिका विद्या मंदिर में आचार्य दक्षता वर्ग का आयोजन किया गया। जिसमें सरस्वती वंदना व वार्षिक गीत सुशील एवं मोनिका पांडेय द्वारा दोहराया गया। दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन राजकिशोर आचार्य द्वारा किया गया। महेंद्र द्वारा योगाभ्यास कराया गया। दिलीप आचार्य ने वैदिक गणित बारे में जानकारी दी। बालिका विद्या मंदिर की प्रधानाचार्य ने सभी का मार्गदर्शन किया। इसके बाद सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य गिरिजा कांत बुधौलिया ने आभार प्रदर्शन किया।

एएसपी ने मेला में लगे अधिकारी-कर्मचारी को दिये निर्देश

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी ने अश्विन मास, पितृ विसर्जनी अमावस्या मेला डियूटी में लगे पुलिस बल को ब्रीफ किया। ब्रीफिंग में अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी अपनी डियूटी पर समय से पहुचेंगे, कोई भी अधिकारी, कर्मचारी डियूटी में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं करेगा। ड्यूटी के दौरान सभी श्रद्धालुओं से नम्रतापूर्वक व्यवहार करेगें। उन्होंने बताया कि मेल को सकुशल संपन्न करने के लिए 4 जोन व 14 सेक्टर में बांटा गया है। जिसमें सेक्टर मजिस्ट्रेट व जोनल मजिस्ट्रेट के अलावा 4 पुलिस क्षेत्राधिकारी, 14 थाना प्रभारी निरीक्षक, 11 निरीक्षक, 45 उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, 165 हेड कांस्टेबल, कांस्टेबल, 45 महिला कांस्टेबल, 2 उपनिरीक्षक यातायात, 18 हेड कांस्टेबल, कांस्टेबल यातायात, 1 पीएससी कंपनी, 1 उपनिरीक्षक एलआईयू, 4 हेड कान्सटेबल, कान्सटेबल एलआईयू, 1 एसचैक टीम, 2 डॉग स्क्वायड, 2 फायर टेण्डर की डियूटी लगाई गई है। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी राजापुर निष्ठा उपाध्याय, नगर राज कमल, मऊ जय करन सिंह, क्षेत्राधिकारी कार्यालय, लाइन्स यामीन अहमद आदि मौजूद रहे।

डीएम ने ली तीर्थ विकास परिषद व पर्यटन विभाग निर्माण कार्यों की बैठक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने तीर्थ विकास परिषद व पर्यटन विभाग के कराये निर्माण कार्यों व एयरपोर्ट के कार्यों की पाक्षिक समीक्षा बैठक कैंप कार्यालय में हुई।

मंगलवार को एयरपोर्ट की समीक्षा में जिलाधिकारी ने कहा कि जो वन विभाग से भूमि एयरपोर्ट को दी जाएगी, उस सम्बन्ध में प्रभागीय वनाधिकारी व एयरपोर्ट अथॉरिटी एवं उप जिलाधिकारी मानिकपुर बैठक कर कार्यवृत्ति प्रेषित करें। संयुक्त महा प्रबंधक राइट्स लिमिटेड शिव प्रकाश लाल ने बताया कि जो अशंतह कार्य छुटे हुए हैं, उसको छोडकर जो कार्य पूर्ण हो गए हैं, उसे लोक निर्माण विभाग हैंड ओवर करें। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता पीएमजीएसवाई प्रांतीय खंड को निर्देशित किया कि इस सम्बन्ध में जानकारी नहीं है तो उच्चाधिकारियों व शासन से दिशा निर्देश प्राप्त कर हैंड ओवर करायें।

पर्यटन को बढावा देने के लिए जिलाधिकारी ने अधिशासी आभियंता प्रांतीय खंड पीएमजीएसवाई से कहा कि लक्ष्मण पहाडी के पीछे की रोड को बनाने के लिए प्रस्ताव बनाकर मुख्यालय भेजें। अधिशासी आभियंता प्रांतीय खंड पीएमजीएसवाई ने कहा कि धर्मार्थ कार्य के अंतर्गत 6 सडके तीर्थ स्थलों को जोडने वाली शासन को भेजी गई है। जैसे ही अनुमोदन प्राप्त होता है कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने पर्यटन विकास कार्य के सम्बन्ध में जिला पर्यटन अधिकारी को निर्देशित किया कि सरकारी पैसा को प्राइवेट समितियां में में लगाने की जानकारी मांगी। उन्होंने कहा कि इसकी सूची उपलब्ध कराएं। अधिशासी अधिकारी कर्वी को निर्देशित किया कि यूपीटी तिराहा से रामघाट तक कल्चरल प्रोग्राम के लिए स्थल चिन्हित करें। जिससे कि कल्चरल प्रोग्राम किया जा सके।

उन्होंने निर्देशित किया कि समिति बनाकर पूरा प्रपत्र तैयार कर कराएं। उन्होंने अधिशासी अधिकारी कर्वी, संस्कृत विभाग, पर्यटन विभाग को निर्देशित किया कि समन्वय बनाकर कार्य करें। इस मौके पर एडीएम एफआर उमेश चंद्र निगम, उप जिलाधिकारी सदर पूजा साहू, मऊ सौरभ यादव, मानिकपुर पंकज वर्मा, एयरपोर्ट डायरेक्टर विनय गागले, आधिशासी आभियंता प्रान्तीय खंड पीएमजीएसवाई संतोष कुमार सिंह, पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव, संयुक्त महाप्रबंधक राइट्स लिमिटेड शिव प्रकाश लाल आदि मौजूद रहे।

12 हजार घरों में सोलर रूफटॉप प्लांट लगाने का लक्ष्यः डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की बैठक में परियोजना अधिकारी नेडा एके श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में निदेशालय स्तर से पीएम सूर्य घर योजना को 12 हजार घरों में ऑनग्रिड सोलर रूफटॉप प्लांट लगाने का लक्ष्य है। शासन से दस हजार आठ सौ का लक्ष्य नगर पालिका व नगर पंचायतों को दिया है। मंगलवार को डीएम ने कलेक्टेट्रट स्थित सभागार में हुई बैठक में सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना को एक से दस किलोवाट क्षमता के संयंत्र का अनुमानित मूल प्रति किलो वाट 60-65 हजार रुपए प्रति किलो वाट के मध्य आता है। भारत सरकार व प्रदेश सरकार ने प्रति किलो वाट के अनुसार अनुदान दे रही है। संयंत्र स्थापना को प्रति किलो वाट दस वर्ग मीटर छाया रहित छत की आवश्यकता होती है। एक किलो वाट के सोलर रूफटॉप संयंत्र से औसतन प्रतिदिन चार या पांच यूनिट बिजली का उत्पादन होता है। योजना का लाभ प्राप्त करने को ऑनलाइन आवेदन को भारत सरकार ने नेशनल पोर्टल पर लागू किया है। जिलाधिकारी ने परियोजना अधिकारी नेडा से कहा कि नगर पालिका, नगर पंचायतों व मुख्य कस्बों पर अभियान चलाकर प्रचार-प्रसार कराया जाये। लोगों को प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अधीक्षण अभियंता विद्युत से कहा कि उपखंड अधिकारी, अवर अभियंता व अपने विद्युत कर्मचारियों के माध्यम से भी लोगों को जागरूक करके सोलर पैनल के कनेक्शन अधिक से अधिक कराया जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, एडीएम एफआर उमेश चंद्र निगम, अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक अनुराग शर्मा समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में निर्देश देते डीएम।

दक्षिण कोरिया ने अपनी सबसे शक्तिशाली मिसाइल का प्रदर्शन किया, उ.कोरिया को दी चेतावनी

दक्षिण कोरिया

अपने भव्य सशस्त्र बल दिवस समारोह के दौरान उत्तर कोरिया को निशाना बनाने में सक्षम अपनी सबसे शक्तिशाली बैलिस्टिक मिसाइल और अन्य हथियारों का दक्षिण कोरिया ने प्रदर्शन किया। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक यियोल ने चेतावनी दी कि अगर उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की कोशिश करता है तो उसका शासन ध्वस्त हो जाएगा।

सियोल । दक्षिण कोरिया ने अपने भव्य सशस्त्र बल दिवस समारोह के दौरान उत्तर कोरिया को निशाना बनाने में सक्षम अपनी सबसे शक्तिशाली बैलिस्टिक मिसाइल और अन्य हथियारों का प्रदर्शन किया। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक यियोल ने चेतावनी दी कि अगर उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की कोशिश करता है तो उसका शासन ध्वस्त हो जाएगा। दक्षिण कोरिया ने हथियारों का प्रदर्शन और यह चेतावनी ऐसे वक्त में दी है जब उसके चिर प्रतिद्वंद्वी देश ने नवंबर में अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव से पहले अपने यूरेनियम संवर्धन केंद्र और मिसाइलों के परीक्षण का खुलासा किया है।

राष्ट्रपति यियोल ने राजधानी सियोल के समीप एक सैन्य हवाई अड्डे पर एकत्रित हजारों सैनिकों से कहा, यदि उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों का उपयोग करने का प्रयास करता है, तो उसे हमारी सेना और (दक्षिण कोरिया)-अमेरिका गठबंधन की दृढ़ और जबरदस्त प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा। उस दिन उत्तर कोरियाई शासन का अंत होगा। उन्होंने कहा, उत्तर कोरिया सरकार को यह भ्रम छोड़ देना चाहिए कि परमाणु हथियार उनकी रक्षा करेंगे।

इस समारोह के दौरान दक्षिण कोरियाई सेना ने करीब 340 सैन्य उपकरण और हथियार प्रणालियों का प्रदर्शन किया। उनमें से सबसे शक्तिशली ह्यूनमो-5 बैलिस्टिक मिसाइल थी।

पर्यवेक्षकों का कहना है कि करीब आठ टन पारंपरिक हथियार ले जाने में सक्षम यह मिसाइल धरती की गहराई में घुसकर उत्तर कोरिया के भूमिगत बंकरों को नष्ट कर सकती है। यह पहली बार है जब दक्षिण कोरिया ने इस मिसाइल का खुलासा किया है। इससे पहले मंगलवार को, उत्तर कोरिया के उप रक्षा मंत्री किम कांग इल ने दक्षिण कोरिया में शक्तिशाली सैन्य संपत्तियों की अस्थायी तैनाती के लिए अमेरिका की आलोचना की और कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

पाकिस्तान में मिल रही आईएस आतंकियों को पनाह...

इस्लामाबादः अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार और सेना को जमकर खरीखोटी सुनाते हुए कई गंभीर आरोप लगाए हैं। तालिबान ने इस्लामिक स्टेट से जुड़े कुछ लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। तालिबान का कहना है कि आईएस के जो लड़ाके उनके सुरक्षाबलों ने पकड़े हैं, उनको पाकिस्तान के एक शिविर में अफगानिस्तान में घुसपैठ की ट्रेनिंग दी गई थी।

आजटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने सोमवार को कहा कि तालिबान अधिकारियों ने अफगानिस्तान में हाल में ही में हुए घातक हमलों के लिए जिम्मेदार इस्लामिक स्टेट समूह के प्रमुख सदस्यों को पकड़ लिया है। जांच में सामने आया है कि इस संगठन के लोगों को पनाह पड़ोसी पाकिस्तान में मिल रही है।

तालिबान ने पाकिस्तान को कटघरे में खड़ा किया

तालिबान ने 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता में वापस के बाद से इस्लामिक स्टेट खुरासान (आईएस-के) की तरफ से सुरक्षा के मुद्दे पर खतरे का सामना किया है। ये गुट तालिबान शासन के लिए मुख्य चुनौती बनकर उभरा है। आईएस-के की ओर से हाल ही में अफगानिस्तान में गोलीबारी और हमलों को अंजाम दिया गया था।

तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा, 'विशेष बलों ने उनको पकड़ लिया है, जिनसे जुड़े लोगों ने काबुल में आत्मघाती बम विस्फोट किए थे। हमने जांच में पाया कि आत्मघाती हमलावर ने पाकिस्तान में अफगानिस्तान में घुसपैठ की ट्रेनिंग ली थी। जो लोग गिरफ्तार किए गए हैं, वो भी हाल ही में पाकिस्तान के ट्रेनिंग सेंटर से लौटे थे।'

आईएस-के ने पाकिस्तान में बनाए हैं अड्डे

मुजाहिद ने कहा कि आईएस-के को अफगानिस्तान से बेदखल कर दिया है। इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान में अपने प्रशिक्षण शिविर स्थापित किए हैं। पाकिस्तान में बने इन नए ठिकानों से वे अफगानिस्तानऔर अन्य देशों में हमले कर रहे हैं। पाकिस्तान ने मुजाहिद के बयान पर चुप्पी साध रखी है। पाक विदेश मंत्रालय ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

दुनिया का ये शहर तोतों से लड़ रहा 'जंग', पास की पहाड़ी से आए हजारों पक्षी, बार-बार अंधेरे में डूब रहा इलाका

ब्यूनस एयर्सः अर्जेंटीना के पूर्वी अटलांटिक तट के पास बसा हिलारियो एस्कासुबी शहर बीते कुछ समय से एक अलग तरह की परेशानी का सामना कर रहा है। ये परेशानी शहर में बड़ी तादाद में तोतों के आने की वजह से हुई है। हजारों की तादाद में तोते जंगल से शहर में आ गए है, जो गंदगी फैलाकर, आवाज करके और तार काटकर आम लोगों की जिंदगी मुश्किल बना रहे हैं। शहर के पास के वनों की अंधाधुंध कटाई के चलते हरे, पीले और रंग के ये पक्षी हजारों की तादाद में शहर में आए हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, तोतों का झुंड बिजली के तारों को काट देते हैं, जिससे बिजली गुल हो जाती है तो कभी फोन और इंटरनेट के तारों को अलग कर देते हैं। इससे रोज शहर में कोई ना कोई परेशानी खड़ी होती रहती है। स्थानीय पत्रकार रामोन अल्वारेज का कहना है कि तोते किसी ना किसी तरह से दैनिक जीवन में कई तरह की परेशानियां खड़ी कर रहे हैं। तोतों को भगाने की कोशिश नाकाम रामोन के मुताबिक, तोतों को डराने और भगाने का लिए स्थानीय निवासियों ने कई तरह के तरीके अपनाएं हैं।

इशिबा के शपथ ग्रहण से पहले जापानी प्रधानमंत्री किशिदा ने दिया इस्तीफा

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा ने मंगलवार को अपने मंत्रिमंडल के साथ इस्तीफा दे दिया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इसके साथ ही राजनीतिक घोटालों और बढ़ती महंगाई से प्रभावित उनके तीन साल के कार्यकाल का अंत हो गया। इस बीच जापान की सत्तारूढ़ पार्टी के नेता 67 वर्षीय शिगेरु इशिबा, मंगलवार को प्रतिनिधि सभा के प्रधानमंत्री के रूप में चुने गए।

सार्वजनिक प्रसारक एनएचके की रिपोर्ट के अनुसार, किशिदा प्रशासन के मंत्रियों ने एक कैबिनेट बैठक में सामूहिक रूप से त्यागपत्र सौंपे। यह बैठक स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजे के बाद शुरू हुई। बैठक में नए मंत्रिमंडल की नियुक्ति की बात कही गई जिसका नेतृत्व किशिदा के उत्तराधिकारी शिगेरू इशिबा करेंगे।

किशिदा 4 अक्टूबर, 2021 को जापान के पीएम बने थे। उनके कार्यकाल में सत्तारूढ़ पार्टी की छवि को गहरा झटका लगा, खासतौर से 'स्लश फंड घोटाले' की वजह से। इसी कारण उन्होंने अपना पद छोड़ने का ऐलान किया।

इससे पहले शिगेरू इशिबा ने सोमवार को कहा कि वह 27 अक्टूबर को आम चुनाव कराने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि संसद का निचला सदन 9 अक्टूबर को भंग कर दिया जाएगा। पूर्व रक्षा मंत्री ने जल्द से जल्द जनता का जनादेश प्राप्त करने के महत्व पर जोर दिया।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, इशिबा ने शुक्रवार को आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची को हराकर देश की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) का नेतृत्व चुनाव जीता था।

अपनी जीत के बाद आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इशिबा ने एलडीपी के भीतर विश्वास और एकता के पुनर्निर्माण के लिए पूरी कोशिश करने का वादा किया। उन्होंने एलडीपी को एक ऐसी पार्टी बनाने पर जोर दिया जो विनम्र, निष्पक्ष और पारदर्शी हो।

एलडीपी नेतृत्व के लिए इशिबा की यह पांचवीं दावेदारी थी। पिछले कुछ वर्षों उनकी इमेज रक्षा और कृषि की गहरी जानकारी रखने वाले अनुभवी नीति विशेषज्ञ के रूप में बनी है।

इशिबा के सामने तत्काल कुछ बड़ी चुनौतियां हैं। इनमें एलडीपी में जनता का भरोसा बहाल करना शामिल है, जिसकी छवि को 'स्लश फंड' घोटाले की वजह से गहरा धक्का पहुंचा है। चीन, उत्तर कोरिया और रूस से बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के साथ अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी उनके नेतृत्व का परीक्षण होना है।

उत्तरी लाओस में बाढ़ के कारण स्कूल बंद

वियनतियाने। उत्तरी लाओस के लुआंग नामथा प्रांत में भीषण बाढ़ के कारण 50 स्कूल अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए हैं, जिससे प्रांत के लगभग 6,000 शिक्षक और छात्र प्रभावित हुए हैं।

लाओस राष्ट्रीय रेडियो ने सोमवार को बताया कि बाढ़ के पानी ने इमारतों और उपकरणों को तबाह कर दिया है। स्थानीय अधिकारी और स्वयंसेवक स्कूलों की सफाई और नुकसान की मरम्मत के लिए काम कर रहे हैं तथा उन उपकरणों को बदलने की योजना बना रहे हैं जो अब उपयोग के लायक नहीं हैं।

लाओस में सितंबर के शुरूआत से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। साथ ही कई प्रांत तूफान यागी से भी प्रभावित हुए हैं। आपदा में लुआंग नामथा प्रांत सबसे अधिक प्रभावित हुआ है।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, तूफान के कारण भारी बारिश हुई, जिससे नदियां उफान पर आ गईं और पड़ोसी तथा निचले इलाकों में पानी भर गया।

बता दें कि लाओस में सिर्फ तूफान ने ही नहीं दहशत मचाई है। वहां भारी बारिश के कारण बाढ़ भी आई हुई है। आपदा से घर, अस्पताल, सड़कें, जलाशय, पुल और कृषि भूमि जलमग्न हो गई है। मवेशियों की भी हानि हुई।

बता दें कि लाओस की राजधानी वियनतियाने के कुछ जिलों सहित जायबौरी, बोकेओ, औडोम्क्से, हुआफान और लुआंग प्राबांग प्रांतों में बाढ़ आई है।

इस बीच, लाओस के मौसम विभाग ने निचले इलाकों में रहने वाले अधिकारियों और निवासियों को सतर्क रहने तथा बाढ़ के लिए तैयार रहने की सलाह दी है।

मौसम विभाग ने नदियों के किनारे रहने वाले लोगों को पानी बढ़ने के जोखिम के प्रति हर समय सतर्क रहने की चेतावनी दी है।

भारत ने नेपाल में बाढ़ में फंसे नागरिकों के लिए जारी किए हेल्पलाइन नंबर

काठमांडू। भारत ने कुछ दिनों से बाढ़ और भूस्खलन के कारण नेपाल में फंसे अपने नागरिकों के लिए सोमवार को हेल्पलाइन नंबर जारी किए।

यह परामर्श सप्ताहांत में रिकॉर्ड बारिश के कारण आई भयंकर बाढ़ और भूस्खलन के बाद जारी किया गया है, जिससे नेपाल में व्यापक क्षति हुई है।

भारतीय दूतावास ने नेपाल की मौजूदा स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा,"सप्ताहांत में रिकॉर्ड बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन से व्यापक नुकसान हुआ है। हमारी संवेदनाएं प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं।"

दूतावास ने स्वीकार किया कि उसे प्राकृतिक आपदा के कारण भारतीय नागरिकों के फंसे होने की रिपोर्ट मिली है तथा वह इन व्यक्तियों की सुरक्षित निकासी और वापसी सुनिश्चित करने के लिए नेपाली प्राधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है।

"दूतावास इनमें से कुछ समूहों के संपर्क में है तथा उनकी सुरक्षित वापसी की व्यवस्था कर रहा है।"

उल्लेखनीय है कि फंसे हुए नागरिकों की सहायता के लिए दूतावास ने मदद की आवश्यकता वाले लोगों के लिए तीन हेल्पलाइन नंबर जारी किए।

पृथ्वी से दिख रहा है दूसरा चांद... दो महीने तक देगा आसमान में रहेगा मिनी मून

वॉशिंगटनः धरती से इस समय एक दूसरा चांद भी देखा जा सकता है, यानी दो चांद देखे जा सकते हैं। अगले दो महीने यानी नवंबर के आखिर तक ये मिनी-मून धरती की परिक्रमा करेगा। ये मिनी मून एक एस्टेरॉयड है, जिसका नाम 2024 पीटी5 है। यह एस्टेरॉयड रविवार को पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण में आ गया है। इसके दो महीने तक पृथ्वी की परिक्रमा करने की उम्मीद है, ये 25 नवंबर तक हमारे ग्रह का चक्कर लगाएगा।

एस्टेरॉयड 2024 पीटी5 करीब 10 मीटर चौड़ा है और वैज्ञानिकों ने इसे पहली बार अगस्त में स्पेन में खोजा था। 2024 पीटी5 एस्टेरॉयड के एक समूह का हिस्सा है, जिसे अर्जुन क्षुद्रग्रह बेल्ट कहा जाता है, जो पृथ्वी की तरह ही सूर्य के चारों ओर यात्रा करता है। इस तरह के मिनी मून बहुत दुर्लभ भी नहीं हैं। 2020 में भी एक मिनी मून देखा गया था।

क्या आप भारत से देखा जा सकेगा ये दूसरा चांद?

अंतरिक्ष में इस समय एक नहीं दो चंद्रमा दिख रहे हैं लेकिन इस दूसरे चांद को कोई भी रात में नहीं देख सकता है। मिनी मून को कोई भी नंगी आंखों से नहीं देख पाएंगा। यहां तक कि नियमित दूरबीनें भी इसे नहीं खो पाएंगी। इसके आकार और धुंधली उपस्थिति के कारण केवल बड़े, पेशेवर-श्रेणी के टेलीस्कोप से ही 2024 ढळ5 की झलक देख सकते हैं।

ऐसे में आम लोगों के लिए इसे देखना तकरीबन नामुमकिन है। आम लोगों को इसे देखने के लिए ऑब्जर्वेटरी से आने वाली तस्वीरों का इंतजार करना होगा।

इजरायल ने लेबनान में तेज की सैन्य कार्रवाई, 52 हजार से अधिक लेबनानी नागरिकों ने ली सीरिया में शरण

दमिश्क। हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह की मौत के बाद इजरायली सेना लगातार लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर तेजी से कार्रवाई कर रही है। इसी बीच स्थानीय मीडिया ने सोमवार को बताया कि इजरायली सैन्य कार्रवाई तेज होने के बाद से अब तक 52,000 से अधिक लेबनानी नागरिक सीरिया भाग गए हैं।

अल-वतन ऑनलाइन ने सीरिया के जनरल डायरेक्टरेट ऑफ माइग्रेशन एंड पासपोर्ट के एक सूत्र का हवाला देते हुए बताया कि लेबनानी शरणार्थियों के अलावा लगभग 1,25,000 सीरिया के नागरिक भी अपने वतन लौट आए हैं।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को ही सिर्फ 3,500 लेबनानी नागरिक और 16,000 सीरियाई नागरिकों ने सीमा को पार किया है। हालांकि, अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया है कि ये आंकड़े अभी अंतिम नहीं हैं।

हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच बढ़ते संघर्ष के बाद लेबनान में तनाव की स्थिति है। इस वजह से कई लेबनानी परिवारों ने सीरिया में शरण ली है, जबकि लेबनान में रहने वाले विस्थापित सीरियाई नागरिक भी युद्धग्रस्त देश को छोड़कर अपने वतन वापस लौट रहे हैं।

बता दें कि इजरायली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने शनिवार को एक बयान में दावा किया था कि हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह उसके हमले में मारा गया। आईडीएफ के मुताबिक, शुक्रवार देर रात बेरूत के दक्षिणी उपनगरीय इलाके में लेबनानी आतंकी ग्रुप के मुख्यालय पर हमला किया गया था, जिसमें नसरल्लाह की मौत हो गई। वहीं, इजरायली सेना के दावे के बाद लेबनानी आतंकी संगठन हिजबुल्लाह ने अपने नेता की मौत की पुष्टि की। साल 1982 में लेबनान पर इजरायली आक्रमण के बाद हिजबुल्लाह की स्थापना के समय से ही नसरल्लाह उसके साथ जुड़ा हुआ था।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा प्रयागराज से मुद्रित एवं क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक

स्वामी श्री योगी सत्यम्

RNI No: UPHIN/2001/09025

ऑफिस मो.: 9565333000

Email:- akhandbharatsandesh1@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

इजरायल को आत्मरक्षा का अधिकार, हिजबुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई को समर्थनः अमेरिका

इजरायली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ 'सीमित, स्थानीय और लक्षित' जमीनी सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी है। इस बीच अमेरिका ने एक बार फिर यहूदी राष्ट्र का खुलकर समर्थन किया है

वाशिंगटन। इजरायली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ 'सीमित, स्थानीय और लक्षित' जमीनी सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी है। इस बीच अमेरिका ने एक बार फिर यहूदी राष्ट्र का खुलकर समर्थन किया है।

इजरायल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के साथ फोन पर बातचीत में अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने वॉशिंगटन का समर्थन दोहराया। हालांकि उन्होंने इजरायल-लेबनान सीमा के दोनों ओर नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक कूटनीतिक समाधान की जरुरत पर बल दिया।

एक्स पर एक पोस्ट में ऑस्टिन ने कहा, "मैंने यह स्पष्ट कर दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका इजरायल के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करता है।" उन्होंने आगे कहा कि दोनों पक्ष सीमा पर

आक्रमणकारी बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के महत्व पर सहमत हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हिजबुल्लाह इजरायल के उत्तरी समुदायों पर 7 अक्टूबर जैसे हमले न कर सके।

अमेरिकी रक्षा सचिव ने इस बात पर भी जोर दिया कि नागरिकों की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए एक कूटनीतिक समाधान जरुरी है।

ऑस्टिन ने कहा, "मैंने यह स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिका ईरान और ईरान समर्थित आतंकवादी संगठनों के खतरे से अमेरिकी कर्मियों, साझेदारों और सहयोगियों की रक्षा करने के लिए अच्छी स्थिति में है और किसी को भी तनाव का फायदा उठाने या संघर्ष का विस्तार करने से रोकने के लिए दृढ़ है।"

अमेरिकी रक्षा सचिव ने कहा, "मैंने दोहराया कि यदि ईरान इजरायल के खिलाफ सीधा सैन्य हमला करने का फैसला करता है तो इसके गंभीर परिणाम होंगे।" उन्होंने संघर्ष के विस्तार की स्थिति में इजरायल को समर्थन देने की अमेरिका की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

इससे पहले सोमवार को अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि इजरायल ने अमेरिका को सूचित किया कि वह 'बॉर्डर के पास हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे पर केंद्रित सीमित अभियान' चला रहा है।

वाशिंगटन पोस्ट ने अमेरिकी सुरक्षा अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया कि इजरायल ने लेबनान में एक सीमित जमीनी अभियान की योजनाओं के बारे में व्हाइट हाउस को सूचित किया है।

बता दें 23 सितंबर से, इजरायल ने लेबनान में हवाई हमले तेज कर दिए। शुक्रवार को बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में एक महत्वपूर्ण हमले में हुई, जिसमें हिज्बुलल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह और उनके कई सहयोगी मारे गए।

8 अक्टूबर, 2023 को हिजबुल्लाह ने गाजा में हमास के प्रति एकजुटता जाहिर करते हुए इजरायल पर रॉकेट दागने शुरू किए थे। नवीनतम घटनाक्रम इसी संघर्ष का विस्तार है।